RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-10 अंक: 94 ता. 06 अक्टूबर 2021, बुधवार कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो। 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

संक्षिप्त खबरें

बलवीर गिरि को मिली नरेंद्र गिरि की गद्दी

प्रयागराज। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रहे नरेंद्र गिरि की वसीयत के अनुसार मंगलवार को बलवीर गिरि को उनकी गद्दी सौंप दी गई। सनातन धर्म के वैभव, शक्ति और समर्पण के केंद्र श्रीमठ बाघम्बरी गद्दी में 13 अखाड़ों के महात्माओं की मौजूदगी में श्रीनिरंजनी अखाड़ा के उपमहंत बलवीर गिरि का महंत के रूप में पट्टाभिषेक किया गया। बलवीर गिरि ने नरेंद्र गिरि की समाधि में माथा टेककर पूजन किया। श्रीमहंत विचारानंद संस्कृत महाविद्यालय में सुबह 11 बजे से श्रद्धांजलि सभा की शुरूआत हुई। 13 अखाड़ों सहित प्रमुख महात्माओं ने नरेंद्र गिरि को श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रीनिरंजनी अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर कैलाशानंद गिरि की अध्यक्षता में कार्यक्रम किया गया। श्रीनिरंजनी अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर कैलाशानंद गिरि व पंचपरमेश्वर ने पहली चादर ओढ़ाई। तत्पश्चात बलवीर गिरि ने नरेंद्र गिरि की समाधि पर मत्था टेका। इस अवसर पर निरंजनी अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर केलाशानंद, सचिव रविन्द्र पुरी, आनंद अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर बालकानंद, महामंडलेश्वर, मंडलेश्वर, महंत, सचिव समेत 13वें अखाड़े के प्रतिनिधि की उपस्थिति में पट्टाभिषेक हुआ। निर्मल अखाड़ा के अध्यक्ष ज्ञानदेव, अखाड़ा परिषद के महामंत्री महंत हरि गिरि, विहिप नेता दिनेश जी, शिक्षक विधायक सुरेश त्रिपाठी, सहित प्रमुख महात्मा मौजूद थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव मौर्य ने बलबीर गिरि के लिए महंत चादर भिजवाई। निरजंनी अखाड़ा के सचिव रविन्द्रपुरी ने आभार व्यक्त किया।

ड्रग्स केस : आर्यन का चौंकाने वाला खुलासा

आर्यन ने कहा: पापा शाहरुख खान से मिलने के लिए अपॉइंटमेंट लेना पड़ता है

मुम्बई। बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान ड्रग्स मामले में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की गिरफ्त में हैं। आर्यन रविवार को मुंबई से गोवा जा रहे जहाज मे चल रही रेव पार्टी में मौजूद थे, जहां से उन्हें एनसीबी ने गिरफ्तार किया था। वहीं, अब आर्यन 7 अक्तूबर तक एनसीबी की कस्टडी में हैं। इस दौरान आर्यन के साथ 8 अन्य लोग भी एनसीबी की कस्टडी में हैं और सभी से पूछताछ की जा रही है। वहीं ये बात भी सामने आ रही है कि क्रूज पर पार्टी करने के लिए पुलिस से कोई अनुमति नही ली गई थी। इस एंगल पर मुंबई पुलिस ने भी जांच शुरू कर दी है। रिमांड मिलने के बाद से ही एनसीबी आर्यन से पूछताछ कर रही है। सूत्रों की मानें तो पूछताछ में आर्यन ने खुलासा किया है कि, उन्हें अपने पिता शाहरुख खान से मिलने के लिए भी अपॉइंटमेंट लेना पड़ता है। आर्यन का ये खुलासा वाकई हैरान करने वाला है। आर्यन ने एनसीबी की पूछताछ में कहा है कि, पापा इतने बिजी रहते हैं कि, कई बार मुझे उनसे मिलने के लिए उनकी मैनेजर पूजा से अपॉइंटमेंट लेना पड़ता है। इतना ही नहीं, आर्यन ने एनसीबी को ये भी बताया है कि, उन्होंने विदेश से फिल्ममेकिंग का कोर्स किया है। बता दें कि, शाहरुख खान अपने काम में हमेशा फंसे हुए रहते हैं। वह इन दिनों

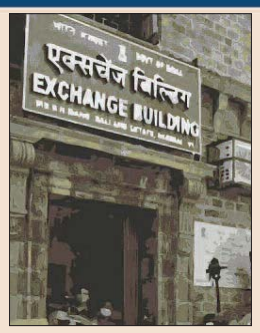

अपनी अपकमिंग फिल्म पठान की शूटिंग कर रहे थे लेकिन आर्यन की गिरफ्तारी की वजह से वह शूट पर नहीं जा पा रहे हैं।बता दें कि, अब तक एनसीबी ने सिर्फ 11 लोगों की

गिरफ्तारी की पुष्टि की है। इसमें आर्यन खान समेत 8 लोग शामिल हैं। इसके अलावा एनसीबी ने अरबाज मर्चेंट का दोस्त श्रेयस और 1 शक्स जोगेश्वरी से और 1 ओड़िशा से गिरफ्तार किया गया है। एनसीबी ने इस पूरे ड्रग मामले में अरबाज मर्चेंट, मुनमुन धनीजा, विक्रांत छोकर, इश्तीम सिंह, नुपुर सारिका, गोमित चोपड़ा और मोहक जसवाल को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा, दो ड्रेग पैडलर को भी गिरफ्तार किया जा चुका है।

वहीं दूसरी तरफ बेटी की जमानत के लिए शाहरुख खान ने मुंबई के सबसे महंगे वकील सतीश मानशिंदे को केस दिया लेकिन उनकी सभी दलीलें नाकाम साबित हुई। एनसीबी ने इस केस में कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। एनसीबी ने कहा है कि इनके फोन से ऐसी तस्वीरें और चैट्स मिली हैं, जो इशारा करती हैं कि ड्रग्स का यह रैकेट इंटरनैशनल मार्केट से जुड़ा हुआ है।

यूपी: 12 अक्तूबर से सपा 'विजय रथ यात्रा' शुरू

पूरे प्रदेश का दौरा करेंगे अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी 12 अक्तूबर से यूपी के चुनाव में आक्रामक रूप से जुट जाएगी। इसके लिए पार्टी ने विजय रथ यात्रा निकालने का निर्णय लिया है। इस यात्रा के तहत सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव प्रदेश के हर जिले व तहसील का दौरा करेंगे और सपा के लिए माहौल बनाएंगे। वह जनता से परिवर्तन की अपील करेंगे और जनसमर्थन मांगेंगे। बता दें कि शिवपाल सिंह यादव भी 12 अक्तूबर को ही मथुरा से सामाजिक परिवर्तन यात्रा शुरू करेंगे। जिसके तहत वह पूरे प्रदेश का दौरा करेंगे। अखिलेश यादव ने कहा कि आज प्रदेश की जो हालत है उससे जनता दुखी है। भाजपा के प्रति जनता में आक्रोश है। केंद्रीय मंत्री के बेटे की गाड़ी किसानों को कुचल देती है और वह अभी भी अपने पद पर हैं। अजय मिश्र टेनी को अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए और आरोपी को तत्काल गिरफ्तार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें पूरा भरोसा है कि भाजपा सरकार अपराधियों को बचाने का पूरा प्रयास करेगी। हम किसानों से अपील करते हैं कि इस सरकार को सत्ता से बेदखल कर दें। लखीमपुर खीरी की घटना के जो भी वीडियो अभी तक आए हैं उससे पता चलता है कि केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी का बेटा इस पूरे घटनाक्रम से जुड़ा हुआ था।

बिफरे नवजोत सिंह सिद्धू

प्रियंका गांधी को रिहा करने और आरोपी को जेल नहीं भेजने पर लखीमपुर खीरी कूच करने की दी चेतावनी

चण्डीगढ़। पंजाब कांग्रेस प्रमुख नवजोत सिंह सिद्धू ने ट्वीट कर चेतावनी दी है कि अगर कल तक, किसानों की नृशंस हत्या के आरोपी केंद्रीय मंत्री के बेटे को गिरफ्तार नहीं किया जाता है और हमारी नेता प्रियंका गांधी वाड्रा को रिहा नहीं किया गया तो पंजाब कांग्रेस लखीमपुर खीरी की ओर मार्च करेगी। लखीमपुर खीरी की घटना के विरोध में पंजाब कांग्रेस के प्रधान नवजोत सिंह सिद्धू और पंजाब यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष वीरेंद्र ढिल्लों समेत कई कांग्रेसी विधायकों ने सोमवार सुबह पंजाब राजभवन के बाहर धरना दिया था। करीब एक घंटा चले इस धरने के बाद चंडीगढ़ पुलिस ने सिद्धू और उनके साथ धरना दे रहे अन्य नेताओं को हिरासत में ले लिया था। सोमवार सुबह सिद्धू, ढिल्लों और अन्य विधायक राजभवन के बाहर

पहुंचे और उन्होंने लखीमपुर में किसानों की हत्याओं के विरोध में योगी सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी शुरू कर दी। इसके बाद सभी नेता राज भवन के सामने धरने पर बैठ गए। उनकी मांग थी कि किसानों की हत्याओं में दोषी केंद्रीय मंत्री के बेटे को गिरफ्तार किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल की ओर से हाल ही में दिए गए भड़काऊ बयानों का हवाला देते हुए उनकी भी गिरफ्तारी की मांग की। चंडीगढ़ पुलिस की ओर से हिरासत में लिए जाने के बाद नवजोत सिद्धू ने प्रियंका गांधी की उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा गिरफ्तारी से संबंधित एक वीडियो भी ट्वीट किया। सिद्धू में लिखा - 'हिम्मत तेरा नाम है प्रियंका गांधी।' लखीमपुर खीरी की घटना के कारण पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी का राजस्थान दौरा रद्द हो गया है। मंगलवार सुबह 11 बजे जयपुर में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के सरकारी आवास पर चन्नी के लिए लंच का कार्यक्रम रखा गया था। इस दौरान पंजाब और राजस्थान के बीच चल रहे विवादों पर चर्चा की जानी थी। अगले कार्यक्रम के लिए अभी तिथि तय नहीं की गई है।

प्रियंका गिरफ्तार: पीएसी गेस्ट हाउस बनाया गया अस्थायी जेल

लखनऊ एयरपोर्ट पर धरने पर बैठे भूपेश बघेल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी को गिरफ्तार कर लिया है। अब ताजा

जानकारी के मुताबिक, प्रियंका के साथ 10 अन्य लोगों के खिलाफ शांतिभंग करने के मामले में एफआईआर दर्ज की गई है। जिन लोगों पर केस दर्ज हुआ है उनमें कांग्रेस नेता दीपेंदर हुड्डा और अजय कुमार लल्लू के नाम शामिल हैं। बताया गया है कि प्रियंका को लखीमपुर खीरी जाते वक्त सीतापुर के हरगांव में हिरासत में लिया गया था। इसके बाद ही उनकी गिरफ्तारी कर ली गई। फिलहाल जिस पीएसी गेस्ट हाउस में उन्हें रखा गया था, उसे ही उनके लिए अस्थायी जेल घोषित किया गया है। प्रियंका गांधी ने मंगलवार सुबह खुद को एक दिन से ज्यादा हिरासत में रखे जाने पर सवाल उठाए थे। उन्होंने ट्वीट कर कहा था, "नरेंद्र मोदी सर, आपकी सरकार ने मुझे बिना किसी आदेश और प्राथमिकी के पिछले 28 घंटे से हिरासत में रखा है। लेकिन किसानों को कुचलने वाले को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है।" इस बीच छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जब प्रियंका गांधी से मिलने के लिए लखनऊ पहुंचे, तो उन्हें एयरपोर्ट पर ही रोक लिया गया। इसके बाद बघेल ने वहीं फर्श पर बैठकर धरना शुरू कर दिया। बघेल ने कहा कि वे सीतापुर जा कर प्रियंका गांधी से मिलने के लिए आए हैं, लेकिन उन्हें लखनऊ एयरपोर्ट से बाहर नहीं जाने दिया जा रहा।

राकेश टिकैत के समझाने पर माने लवप्रीत सिंह के परिजन,

शव का किया गया अंतिम संस्कार

लखनऊ। तिकुनियां की हिंसक घटना में मारे गए किसानों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खेल करने का आरोप लगाते हुए मृतक किसान लवप्रीत सिंह के परिजनों ने मंगलवार को अंतिम संस्कार करने से इंकार कर दिया, तो मौके पर राकेश टिकैत पहुंच गए। जिसके बाद उनकी बंद कमरे में वार्ता हुई। वार्ता के बादे परिजन मान गए और शव का अंतिम संस्कार कर दिया। राकेश टिकैत और लवप्रीत के परिजनों की बंद कमरे में करीब सवा घंटे बातचीत चली तब कहीं जाकर पीड़ित पक्ष ने राकेश टिकैत की बात मानी। इस दौरान राकेश टिकैत ने कहा कि जिस पर गोली लगने का शक है उसका पोस्टमॉर्टम प्रदेश के बाहर किया जाए। दरअसल परिजनों ने युवक लवप्रीत सिंह का पोस्टमॉर्टम कराने से इनकार कर दिया था। उनका कहना था कि नानपारा निवासी किसान गुरविंदर सिंह की गोली मारकर हत्या की गई थी, लेकिन उसकी रिपोर्ट में यह बात नहीं आई। जिसके बाद उन्होंने पोस्टमोटम रिपोर्ट पर सवाल उठाते हुए अंतिम संस्कार से इनकार किया था। मामले की खबर लगते ही भाकियू नेता राकेश टिकैत मंगलवार को वापस लखीमपुर लौटे और मझगईं के चौखड़ा फार्म में जाकर लवप्रीत सिंह के परिजनों से मुलाकात की और उसका अंतिम संस्कार करने के लिए कहा। दरअसल लवप्रीत सिंह का सुबह 10 बजे अंतिम संस्कार होना था। लेकिन जब पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का पता चला तो किसानों में गुस्सा भड़क उठा। किसानों का आरोप था कि नानपारा बहराइच के किसान गुरविंदर सिंह की मौत गोली लगने से हुई थी, लेकिन पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में गोली लगने का जिक्र भी नहीं किया गया है। किसानों का आरोप है कि केंद्रीय गृह राज्य मंत्री के बेटे आशीष मिश्रा को बचाने के लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट में लीपापोती की गई है। अब किसानों ने शव का अंतिम संस्कार करने से मना कर दिया, कहा कि जब तक सही पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट नहीं आती तब तक शव का अंतिम संस्कार नहीं करेंगे। इसके साथ ही खीरी और बहराइच जिले में सियासी पारा एक बार फिर चढ़ गया है। शव का अंतिम संस्कार रोके जाने की सूचना मिलते ही डीएम डॉ. अरविंद कुमार चौरसिया, आईपीएस अधिकारी, अजय शर्मा, कई सीओ, कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंच गए। उधर किसान नेता सीएम सिंह, पंजाब के किसान नेता रूला सिंह मानसा, कांग्रेस नेता सैफ अली नकवी, पूर्व एमएलसी आरएस कुशवाहा, राम नरेश यादव, अनिता यादव और भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष अजित सिंह मौके पर पहुंच चुके हैं।

35246 लोगों को 10-10 हजार रुपये महीने देगी योगी सरकार

नई दिल्ली। चुनाव से पहले केन्द्र से लेकर यूपी सरकार ने योजनाओं की झड़ी लगा दी है। आए दिन सीएम योगी करोड़ों रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास कर रहे हैं। माना जा रहा है कि यूपी विधानसभा चुनाव के नजदी आते ही यूपी सरकार लोगों को साधने में जुटी है। सीएम योगी ने लोकार्पण और शिलान्यास के बीच ग्राम रोजगार सेवकों को भी बड़ा तोहफा दे डाला है। सीएम योगी ने ऐलान किया है कि मनरेगा के ग्राम रोजगार सेवकों को अब हर माह दस हजार रुपये का मानदेय मिलेगा। मानदेय की बढ़ी धनराशि अक्टूबर माह से ही सभी 35246

ग्राम रोजगार सेवकों को मिलना शुरू हो जाएगा। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी सम्मेलन के दौरान सीएम योगी ने कहा कि सिर्फ ग्राम रोजगार सेवक ही नहीं तकनीकी सहायक, कम्प्यूटर आपरेटर, अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी, लेखा सहायक सहित कुल दस तरह के संविदा कार्मिकों का मानदय बढ़ाया जा सकता है। इस बढ़ोत्तरी का सीधा लाभ 41 हजार से अधिक परिवारों को मिलेगा।

एनआईए ने मेरठ में की छापेमारी, दो घरों से भारी मात्रा में पिस्टल व हैंड ग्रेनेड बरामद

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ में एनआईए ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक बार फिर छापेमारी की है। जानकारी मिली है कि एनआईए ने किठौर थाना क्षेत्र के कई घरों में छापेमारी की। छापेमारी के दौरान दो लोगों के यहां एनआई को भारी मात्रा में पिस्टल और हैंड ग्रेनेड बरामद हुए हैं। हालांकि पुलिस इस मामले में कोई भी जानकारी होने से इनकार कर रही है। बताया गया है कि यहां किठौर थाना क्षेत्र के राधना गांव में एनआईए ने रात से ही डेरा डाला हुआ था। जानकारी के अनुसार किठौर थाना क्षेत्र में मंगलवार को बड़ी कार्रवाई करते

हुए राधना गांव में सुबह तीन बजे और दोपहर 1:00 बजे खिलाफत और भूरे के घर पर छापा मारा। बताया गया कि एनआईए को दोनों आरोपी फरार मिले, लेकिन इनके घरों से एनआईए को दबिश के दौरान भारी मात्रा में बने अधबने पिस्टल और हैंड ग्रेनेड मिले हैं। एनआईए पहले भी क्षेत्र में छापेमारी कर चुकी है। बता दें कि हथियार सप्लाई करने के मामले में मेरठ हमेशा एनआईए के निशाने पर रहता है। मेरठ से हथियार सप्लाई करने के कई मामले सामने आ चुका है। आरएसएस नेता की हत्या के मामले में भी मेरठ से हथियार सप्लाई किए गए थे। पंजाब में आरएसएस नेता रविंदर गोसाई की हत्या के मामले में भी 2016 में मेरठ से ही हथियार सप्लाई हुए थे। इससे पहले घंटाघर पर एक होटल में अवैध हथियार खरीदने के लिए पंजाब से कई लोग आए थे। इस मामले में भी एनआईए और पंजाब पुलिस ने मेरठ से कई लोगों को हिरासत में लिया था।

लखीमपुर खीरी बवाल: सरकार की रणनीति नफा-नुकसान पर कम, हालात सामान्य करने पर ज्यादा

लखनऊ। लखीमपुर खीरी की घटना के बाद इस बात पर जमकर बहस हो रही है कि वहां विपक्षी नेताओं, किसान संगठनों के प्रतिनिधियों को मौके पर जाने क्यों नहीं दिया गया। अगर वे पीड़ित किसान परिवारों से मिल आते तो इससे क्या नुकसान होता। वहां सामान्य तरह से जाने देने पर क्या इतनी चर्चा मिलती, जितनी नजरबंद करने या गिरफ्तार करने से मिली। इन सवालों पर विश्लेषकों की अलग-अलग राय हो सकती है। पर, एक राय समान तौर पर उभरी है कि साढ़े चार वर्ष में पहली बार सरकार रणनीतिक तरीके से किसी बड़ी घटना को हैंडल करती नजर आई और इसमें सफल भी रही। पूर्व मुख्य सचिव अतुल गुप्ता कहते हैं कि कई घटनाएं ऐसी

होती हैं, जब सरकार को सियासी नफा-नुकसान को किनारे कर परिस्थिति को सामान्य करने के लिए सोच-समझकर निर्णय करना होता है। ऐसे में रणनीति यह होती है कि, एक-दो दिन में प्रशासन घटना की पड़ताल कर सही तथ्यों तक पहुंचकर, आवश्यक जांच कर जब लोगों के सामने पूरी स्थिति रख दे, फिर वहां किसी को जाने की इजाजत दे। इससे विपक्ष को फायदा हो रहा है या सरकार को नुकसान, यह नहीं देखा जाता। राजनीतिशास्त्री प्रो. गोपाल प्रसाद कहते हैं, विपक्ष में रहने वाली कोई भी पार्टी हो, किसी बड़ी घटना के बाद तत्काल उस ओर भागती है। सरकार रोकेगी तो वह तथ्यों को छिपाने का इल्जाम लगाकर अपनी सियासत चमका सकेगे। यदि सही तथ्य सामने आ जाएंगे तो फिर सियासत करने में मुश्किल होगी। जबकि सत्ता में होने पर वे भी किसी घटना के होने पर यही तरीका अपनाते रहे हैं। सरकार को स्थिति सामान्य होने पर अनावश्यक टोकाटोकी नहीं करनी चाहिए। हर किसी की प्राथमिकता शांति व अमनचैन होना चाहिए। कई पूर्व वरिष्ठ प्रशासनिक अफसरों का कहना है कि खीरी की घटना में प्रारंभिक तौर पर खुफिया तंत्र की विफलता या सूचना होने पर कदम न उठाए जाने, प्रशासनिक पूर्वानुमान में चूक के साथ गृह राज्यमंत्री जैसे जिम्मेदार नेता के बड़बोलेपन के अलावा आंदोलनकारी किसानों के बीच कुछ अराजकतत्वों की पहुंच जैसे कई कारण सामने आ रहे हैं। अपर मुख्य सचिव डा. देवेश चतुर्वेदी व एडीजी कानून-व्यवस्था प्रशांत कुमार जैसे सीनियर अफसरों को तत्काल मौके पर भेजने का फैसला हुआ। इससे सरकार को प्रारंभिक स्तर पर सही तथ्य की जानकारी और आगे निर्णय में आसानी हुई। फिर, आग में घी का काम करने के लिए घटना के तत्काल बाद मौके पर जाने पर अड़े विपक्षी नेताओं को रोकना बहुत अहम था।

सार समाचार

उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 21 नये मामले, कुल 153 एक्टिव केस

लखनऊ। अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि प्रदेश में अब तक कुल 7,94,14,622 सैम्पल की जांच की गयी है। प्रदेश में कल एक दिन में कुल 1,47,886 सैम्पल की जांच की गयी है। जनपदों से कल प्रयोगशाला में आरटीपीसीआर जॉच के लिए 90,303 सैम्पल भेजे गये। उन्होंने बताया कि प्रदेश में पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 21 नये मामले आये हैं। प्रदेश में पिछले 24 घंटे में 23 तथा अब तक कुल 16,86,844 लोग कोविड-19 से ठीक हो चुके हैं। प्रदेश में कोरोना के कुल 153 एक्टिव मामले हैं। उन्होंने बताया कि कोविड वैक्सीनेशन का कार्य निरन्तर किया जा रहा है। कल 04 अक्टूबर 16,70,089 डोज लगाई गयीं। अब तक कुल 11,08,63,293 डोज लगायी जा चुकी है, जिसमें से 8,85,58,148 व्यक्तियों को पहली डोज तथा 2,23,05,145 व्यक्तियों को दूसरी डोज लगाई जा चुकी है। इसी के साथ उत्तर प्रदेश 11 करोड़ से अधिक डोज लगाने वाला पहला राज्य बन चुका है। उन्होंने बताया कि सर्विलांस टीम निरन्तर कार्य कर रही है। अब तक 3,58,87,513 घरों का सर्विलांस किया जा चुका है। जिसमें रहने वालों की संख्या 17,25,08,376 है। उन्होंने बताया कि कोविड संक्रमण अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है, इसलिए सभी लोग कोविड प्रोटोकाल का पालन अवश्य करें। किसी भी प्रकार की समस्या होने पर कोविड हेल्पलाइन 18001805145 पर सम्पर्क करें।

यूपी के जंगल से पैंगोलिन की तस्करी के आरोप में 18 गिरफ्तार

बिजनौर (यूपी)। यूपी पुलिस ने बिजनौर में एक दुर्लभ प्रजाति के पैंगोलिन की तस्करी के आरोप में बिहार से एक विशेष कार्य बल (एसटीएफ) के एक जवान और 14 अन्य को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने इसे काला बाजारी में एक करोड़ रुपये में बेचने की योजना बनाई थी। पैंगोलिन की सुरक्षा और सुरक्षित मार्ग के लिए, संदिग्धों ने एसटीएफ जवान को 10 लाख रुपये में हायर किया था। बिजनौर के एसपी धर्मवीर सिंह ने कहा कि पैंगोलिन को चार दिन पहले नजीबाबाद संभाग के वन क्षेत्र से पकड़ा गया था। जब पुलिस ने ठिकाने पर छापा मारा तो यूपी, हरियाणा और बिहार के अठारह लोग नगीना देहात थाना क्षेत्र के बनोवली गांव में खरीदारी में शामिल थे। नजीबाबाद से तीन और बिहार से एक तस्कर फरार है। एसपी ने कहा, 18 लोगों के खिलाफ वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। शिकारियों ने इसे 1 करोड़ रुपये में बेचने की योजना बनाई थी। तीन कारें, 11 महंगे सेल फोन और तीन वन्यजीव तस्करी में इस्तेमाल होने वाले कीपैड भी जब्त किए गए। वन्यजीव अधिनियम की अनुसूची-1 के तहत लुप्तप्राय प्रजातियों के रूप में सूचीबद्ध, पैंगोलिन को उसके मांस के लिए अवैध शिकार किया जाता है और पारंपरिक दवा के रूप में उपयोग किया जाता है। यह निशाचर है और चींटियों और दीमकों को खाता है।

हथियार सप्लायरों की तलाश में मेरठ ने एनआईए की छापेमारी

मेरठ, उत्तर प्रदेश के मेरठ में एनआईए ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक बार फिर छापेमारी की है। मंगलवार की सुबह करीब पांच बजे मेरठ के थाना किठौर के राधना में फिर राष्ट्रीय जांच एजेंसी एनआइए और चंडीगढ़ पुलिस के साथ छापेमारी से हड़कंप मच गया। हथियार सप्लायरों की तलाश में एनआइए ने दो घरों में लगभग पांच घंटे तक स्थानीय पुलिस के साथ तलाशी अभियान चलाया, हालांकि टीम किसी को अपने साथ नही लेकर गई है। जांच एजेंसी की इस कार्रवाई राधना में अफ़रातफरी का माहौल रहा। हालांकि पुलिस इस मामले में कोई भी जानकारी होने से इनकार कर रही है। मेरठ में पहले भी एनआईए छापेमारी कर चुकी है। बता दें कि हथियार सप्लाई करने के मामले में मेरठ हमेशा एनआईए के निशाने पर रहा है। मेरठ से हथियार सप्लाई करने के कई मामले सामने आ चुका है। जानकारी के अनुसार किठौर थाना क्षेत्र में मंगलवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए राधना गांव में सुबह तीन बजे और दोपहर 1:00 बजे खिलाफत और भूरे के घर पर छापा मारा। राधना गांव में जलीस व खिलाफत के घर फोर्स की लगभग 4-4 गाड़िया पहुँची। फोर्स ने दोनों के अलग अलग घरों में एक साथ दबिश दी। बताया गया कि एनआईए को दोनों आरोपी फरार मिले।

इस महीने जम्मू कश्मीर की यात्रा कर सकते हैं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह केंद्र सरकार के व्यापक संपर्क अभियान के तहत इस महीने जम्मू कश्मीर का दौरा कर सकते हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। शाह जम्मू और कश्मीर दोनों क्षेत्रों में जाएंगे और यह दौरा 23 अक्टूबर से 25 अक्टूबर के बीच हो सकता है। मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा कि गृह मंत्री सरकार के संपर्क अभियान के तहत इस महीने जम्मू कश्मीर की यात्रा कर सकते हैं। इस कार्यक्रम के अंतर्गत 70 केंद्रीय मंत्री केंद्र शासित क्षेत्र का दौरा कर रहे हैं। शाह अपनी यात्रा के दौरान कश्मीर घाटी और जम्मू के दूरदराज के क्षेत्रों में जा सकते हैं और विभिन्न विकास कार्यों का जायजा ले सकते हैं। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि गृह मंत्री कानून व्यवस्था से संबंधित एक उच्च स्तरीय बैठक में भी शामिल हो सकते हैं जिसमें पुलिस, प्रशासन, अर्धसैनिक बलों और सेना के वरिष्ठ अधिकारी शमिल होंगे। कई केंद्रीय मंत्री जम्मू कश्मीर का दौरा कर चुके हैं जबकि कई और जाने वाले हैं।

भाजपा नेता किरीट सोमैया को मानहानि के दो मामलों में मिली जमानत

मुंबई। मुंबई की एक अदालत ने मंगलवार को भाजपा नेता किरीट सोमैया को उनके विरूद्ध एक गैर सरकारी संगठन और एक सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा दायर मानहानि के दो मामलों में जमानत दे दी। गैर सरकारी संगठन अर्थ और उसके संस्थापक एवं सामाजिक कार्यकर्ता प्रवीण कात्मे ने यहां एक मजिस्ट्रेट अदालत में शिकायतें दर्ज करायी थीं। अदालत ने कात्मे की शिकायत पर पिछले महीने भाजपा नेता को सम्मन जारी किया था।

भवानीपुर में जीत के बाद भी क्या नहीं टला है ममता की कुर्सी का संकट? अब राज्यपाल धनखड़ के पाले में गेंद

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

जब तक विधानसभा उपचुनाव की घोषणा नहीं हुई थी तब तक ये कहा जा रहा था कि अक्टूबर तक चुनाव होने नहीं है। 4 नवंबर को ममता के मुख्यमंत्री पद की शपथ लिए हुए पूरे छह महीने हो जाएंगे। इसकी साथ ही कोरोना के दूसरी लहर के बीच उपचुनाव नहीं होने की सूरत में उनकी कुर्सी खतरे में पड़ जाएगी। इसकी बेचैनी तृणमूल कांग्रेस के भीतर भी देखने को मिल रही थी। टीएमसी के नेता कई बार चुनाव आयोग के घर दस्तक भी दी। जिसके बाद 6 सितंबर को एक अधिसूचना जारी होती है। जिसके बाद लगने लगा कि अब ममता बनर्जी का भवानीपुर का रास्ता साफ हो गया। चुनाव के बाद के परिणामों ने भी ये स्पष्ट कर दिया कि ममता बनर्जी की कुर्सी सुरक्षित हो गई। लेकिन उपचुनाव के नतीजों और तृणमूल के जश्न को अभी एक ही दिन पूरे हुए थे कि पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने एक बड़ा फैसला ले लिया है।

ममता बनर्जी को पहले सदस्यता की शपथ लेनी होगी और ये शपथ उन्हें राज्यपाल द्वारा ही दिलाई जाएगी। संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार जब सदन चलता है तो राज्यपाल की शक्ति स्पीकर में निहित होती है और स्पीकर सदस्यों कोसदस्यता की शपथ दिलाता है। लेकिन इस वक्त बंगाल में विधानसभा का सत्र नहीं चल रहा है। ऐसे में स्पीकर की तरफ से राज्यपाल से टीएमसी के चुनकर आए विधायकों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाने की अनुमति मांगी गई। लेकिन राज्यपाल धनखड़ ने इसे अस्वीकार करते हुए कहा कि अभी तो जीते उम्मीदवारों की अधिसूचना भी चुनाव आयोग की तरफ से जारी नहीं की गई है। इसके आने के बाद ही राज्यपाल द्वारा शपथ की तारीख तय की जाएगी। टीएमसी नेताओं का कहना है कि ममता दुर्गा पूजा से पहले ही सभी औपचारिकताएं निपटा लेना चाहती हैं, जिसमें अब एक हफ्ते से भी कम का समय बचा है। ममता बनर्जी ने भवानीपुर उपचुनाव में रिकॉर्ड वोटों से जीत दर्ज की लेकिन मुख्यमंत्री बने रहने के लिए, तृणमूल कांग्रेस चीफ ममता बनर्जी को 4 नवंबर तक विधानसभा के सदस्य के तौर पर शपथ लेना जरूरी है। ऐसे में उनकी कुर्सी को लेकर अभी भी पेंच फंसा हो है।

देश में सद्भाव तभी आएगा जब तीनों कृषि कानून रद्द होंगे रद्द: तमिलनाडु के मुख्यमंत्री का बड़ा बयान

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने मंगलवार को कहा कि केंद्र द्वारा लाए गए तीन कृषि कानूनों को पूरी तरह रद्द करने से ही देश में सद्भाव पैदा होगा। साथ ही उन्होंने उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में हुई हिंसा की निंदा करते हुए इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ न्यायिक जांच की मांग उठायी। लखीमपुर खीरी में हिंसा की घटना में आठ लोगों की मौत हो गई थी।

मुख्यमंत्री ने दावा किया कि रविवार की घटना के बाद से हिंसा हो रही है। उन्होंने कहा, किसान 300 दिनों से कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं और उत्तर प्रदेश में हुई घटना प्रदर्शनकारी किसानों की मांगों के प्रति केंद्र की उदासीनता का परिणाम है। द्रमुक अध्यक्ष स्टालिन ने यहां पार्टी द्वारा जारी एक बयान में कहा, हिंसा के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ न्यायिक जांच का आदेश दिया जाना चाहिए। केंद्र सरकार को यह समझना चाहिए कि तीन कृषि कानूनों को पूरी तरह रद्द करने से ही सामान्य स्थिति और पूर्ण शांति बहाल होगी।

सशस्त्र सेनाओं के बीच समन्वय के लिए प्रतिबद्ध है वायु सेना : एयर चीफ मार्शल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

एयर चीफ मार्शल विवेक राम चौधरी ने मंगलवार को कहा कि भारतीय वायु सेना तीनों सेनाओं की संयुक्त कमान की पहल के लिए प्रतिबद्ध है और तीन बलों के अहम पहलुओं पर गौर करते हुए इस पर आगे बढ़ने की आवश्यकता है। आठ अक्टूबर को वायु सेना दिवस के पहले संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय वायु सेना पूर्वी लद्दाख में किसी भी सुरक्षा चुनौती से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है और क्षेत्र में चीन द्वारा बनाए गए नए बुनियादी ढांचों का भारत की युद्धगत तैयारी पर असर नहीं पड़ेगा।

वायु सेना प्रमुख ने कहा कि भारत, चीन और पाकिस्तान के साथ ''दो मोर्चों'' पर युद्ध की किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है और वायु सेना की संपूर्ण युद्धक क्षमताओं को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। तीनों सेनाओं की संयुक्त कमान पर उन्होंने कहा कि भारतीय वायु सेना इसके लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है लेकिन नयी संरचनाएं बनाने से पहले चर्चा किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, ''तीनों सेनाओं के बीच विभिन्न विकल्पों पर चर्चा की जा रही है।'' तीनों सेवाओं की क्षमताओं में समन्वय और उनके संसाधनों का अधिकतम इस्तेमाल करने के लिए थिएटर कमान की योजना बनायी जा रही है।

धरी ने कहा कि राफेल विमान और विभिन्न हथियारों के बेड़े में शामिल होने से भारतीय वायु सेना की आक्रमण क्षमता और अधिक शक्तिशाली हो गयी है। कोयम्बटूर में कथित दुष्कर्म मामले पर उन्होंने कहा कि कोई 'टू फिंगर' जांच नहीं की गयी और मामले की जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि कोयम्बटूर में भारतीय वायु सेना के एक अधिकारी पर 10 सितंबर को एक महिला सहकर्मी के यौन शोषण का आरोप लगा है। 28 वर्षीय महिला वायु सेना अधिकारी ने वायु सेना प्राधिकारियों के खिलाफ कई गंभीर आरोप लगाए जिसमें उसका प्रतिबंधित 'टू फिंगर' जांच करना और आरोपी फ्लाइट लेफ्टिनेंट के खिलाफ शिकायत वापस लेने का दबाव डालना भी शामिल है।

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने अरुण यादव को लेकर दिया बयान, कहा- वे जब चाहें तब चुनाव लड़ सकते हैं

भोपाल। (एजेंसी)।

मध्य प्रदेश की खंडवा लोकसभा उपचुनाव में कांग्रेस के सशक्त उम्मीदवार माने जा रहे पूर्व मंत्री अरुण यादव के दावेदारी छोड़ने पर जमकर सियासत हो रही है । वहीं अरुण यादव के चुनाव नहीं लड़ने पर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि अरुण यादव चुनाव लड़ना चाहते हैं तो वो सबसे बेहतर उम्मीदवार हैं।

आपको बता दें कि दिग्विजय सिंह ने कहा कि उनको शुभकामनाएं चुनाव लड़ने को लेकर नहीं, उनके काम को लेकर दी है। उन्होंने कहा कि बीजेपी के पास खंडवा लोकसभा उपचुनाव के लिए प्रत्याशी नहीं है, इसलिए वी डी शर्मा अरुण यादव की बात कर रहे हैं।

दरअसल खंडवा लोकसभा

उपचुनाव में कांग्रेस के सशक्त उम्मीदवार माने जा रहे पूर्व मंत्री अरुण यादव ने चुनाव लड़ने से मना कर दिया है। इस बारे में उन्होंने पार्टी आलाकमान को पत्र भी लिखा है। बताया जा रहा है कि पत्र में उन्होंने अपने चुनाव न लड़ने के कारणों का स्पष्टीकरण भी दिया है इसमें लिखा है कि वह पारिवारिक कारणों से चुनाव का हिस्सा नहीं बन पा रहे।

बिहार में महागठबंधन में तकरार, उपचुनाव को लेकर कांग्रेस और राजद आमने-सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)।

बिहार में 2 सीटों पर विधानसभा के उपचुनाव होने है। यह सीट है कुशेश्वरस्थान और तारापुर। इस सीट को लेकर एनडीए एक साथ एक सहमति से चुनाव लड़ रहा है। एनडीए की ओर से जदयू दोनों जगहों पर अपना प्रत्याशी उतारने का ऐलान कर चुका है। एनडीए की ओर से भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल और जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह ने इस बात का एक साथ ऐलान किया। लेकिन दिक्कत महागठबंधन में दिखाई दे रही है। राजद पहले ही दोनों ही सीटों पर अपने उम्मीदवार घोषित उतारने की घोषणा कर चुका है। लेकिन अब उसे कांग्रेस की ओर से चुनौती दी जा रही है।

बिहार में कांग्रेस विधायक दल के नेता अजीत शर्मा ने साफ तौर पर राज्य स्तर पर गठबंधन धर्म पालन नहीं करने का आरोप लगाया और कहा कि अब कांग्रेस दोनों ही सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। उन्होंने यह भी कहा कि बिहार कांग्रेस में इस बात पर सहमति बन गई है कि हम पूरे दमखम के साथ दोनों ही सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने दावा किया कि हम गठबंधन में हैं और ऐसे में राजद ने उम्मीदवार का ऐलान करने से पहले हम से कोई संपर्क नहीं किया। उन्होंने कहा कि 2020 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस कुशेश्वरस्थान में दूसरे नंबर पर थी। ऐसे में वह हमारी सीट है और हम वहां से अपना उम्मीदवार उतारेंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अगर राजद अभी नहीं मानता है तो हम दोनों सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेंगे।

कांग्रेस के इस दावे पर राजद ने कहा है कि तेजस्वी यादव और राहुल गांधी ने मिलकर फैसला लिया है। तेजस्वी यादव के फैसले के खिलाफ बोलना हम बर्दाश्त नहीं करेंगे। इसी को लेकर जब तेजस्वी यादव से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी का फैसला था कि हमलोग 2 जगह से चुनाव लड़ेंगे। हम लोगों ने कांग्रेस प्रभारी से पहले ही बात कर लिया था कि राजद चुनाव लड़ना चाहती है। ये उपचुनाव है, महागठबंधन में कोई दरार नहीं है।

हिमाचल में कांग्रेस ने मंडी से प्रतिभा सिंह को मैदान में उतारा , भवानी सिंह, रोहित ठाकुर व संजय अवस्थी को भी टिकट मिला

शिमला। (एजेंसी)।

हिमाचल कांग्रेस ने आने वाले उपचुनावों के लिये प्रत्याशी चयन में सत्तारूढ भाजपा को पछाडते हुये आज अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी। दिल्ली में पार्टी महासचिव मुकुल वासनिक के हवाले से नामों की घोषणा की गई है। हालांकि भाजपा अभी तक इस मामले में पीछे है। पार्टी ने धर्मशाला में बैठक कर नामों का पैनल आलाकमान को भेजा है।

कांग्रेस की ओर से जारी सूचना में मंडी संसदीय चुनाव क्षेत्र से पूर्व सांसद प्रतिभा सिंह को पार्टी ने मैदान में उतारा है। प्रतिभा सिंह दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह की पत्नी हैं। मंडी संसदीय चुनाव क्षेत्र जहां राम स्वरूप शर्मा के निधन के बाद उपचुनाव होने जा रहे हैं।

पूर्व सांसद प्रतिभा सिंह के नाम पर मुहर लग जाने के बाद अब भाजपा के लिए चुनाव की राह आसान नहीं होगी। प्रतिभा सिंह पूर्व सीएम स्व. वीरभद्र सिंह की पत्नी हैं। और वीरभद्र सिंह का हालही में देहांत भी हुआ है। ऐसे में वीरभद्र सिंह परिवार के प्रति लोगों में गहरी संवेदना है। यही कारण है कि भाजपा के लिए अब यह उपचुनाव कड़ी टक्कर देने वाला होने वाला है। अब भाजपा को प्रतिभा सिंह के मुकाबले अपना दमदार प्रत्याशी उतारना होगा।

इसी तरह से पार्टी ने जुब्बल कोटखाई विधानसभा क्षेत्र से रोहित ठाकुर को टिकट दिया है। जुब्बल कोटखाई विधानसभा क्षेत्र की सीट जो कि नरेन्दर बरागटा के देहांत से खाली हुई है । जबकि जिला कांगड़ा के फतेहपुर सीट से भवानी सिंह पठानिया को उतारा गया है। भवानी सिंह पूर्व विधायक सुजान सिंह पठानिया के बेटे हैं। उनका कुछ माह पहले निधन हुआ है। वहीं सोलन जिला के अर्की से संजय अवस्थी चुनाव लडेंगे। अर्की से पिछला चुनाव वीरभद्र सिंह जीते थे। उनके निधन के बाद यह सीट खाली हुई थी।

चुनाव आयोग की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक प्रदेश मंडी लोकसभा सीट का उपचुनाव 30 अक्तूबर को होगा। इसी के साथ तीन विधानसभा सीटों के लिए भी इसी दिन चुनाव होगा। आयोग के शेड्यूल के मुताबिक एक अक्तूबर को चुनाव संबंधी अधिसूचना जारी होगी। नामांकन की अंतिम तिथि आठ अक्तूबर तय की गई है। 11 अक्तूबर को नामांकन पत्रों की छंटनी होगी। 13 अक्तूबर नामांकन वापसी का दिन तय किया गया है। इसके बाद 30 अक्तूबर को मतदान होगा। दो नवंबर को वोटों की गिनती होगी। पांच नवंबर से पहले चुनाव प्रक्रिया पूरी होगी।

गरीबों के लिए घर बनवाना ही नहीं चाहती थी उत्तर प्रदेश की पिछली सरकार : पीएम मोदी

लखनऊ। (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश की पूर्ववर्ती अखिलेश यादव सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गरीबों के लिए घर बनवाना ही नहीं चाहती थी। प्रधानमंत्री ने लखनऊ में न्यू अर्बन इंडिया थीम पर आयोजित तीन दिवसीय सम्मेलन-सह-एक्सपो में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के 75 हजार लाभार्थियों को डिजिटल माध्यम से आवास सौंपने के बाद अपने संबोधन में कहा मुझे वह दिन भी याद आते हैं जब तमाम प्रयासों के बावजूद उत्तर प्रदेश घरों के निर्माण के मामले में आगे नहीं बढ़ रहा था।

गरीबों के लिए घर बनाने का पैसा केंद्र सरकार दे रही थी, इसके बावजूद 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में जो सरकार थी वह गरीबों के लिए घर बनवाना ही नहीं चाहती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि 2017 से पहले प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत उत्तर प्रदेश के लिए 18 हजार घरों की स्वीकृति दी गई थी लेकिन जो सरकार यहां थी उसने गरीबों को 18 घर भी बनाकर नहीं दिए थे। पैसा था, घरों की स्वीकृति भी थी लेकिन तब जो लोग प्रदेश को चला रहे थे वे इसमें लगातार अड़ंगा डाल रहे थे। उनका यह कृत्य राज्य के लोग कभी नहीं भूल सकते। प्रधानमंत्री ने कहा, वर्ष 2017 के पहले के उत्तर प्रदेश और बाद के यूपी का अंतर यहां के लोग अब जान गए होंगे। पहले उप्र में बिजली आती कम थी और जाती ज्यादा थी और आती भी थी तो वहां, जहां नेता चाहते थे। बिजली सुविधा नहीं बल्कि सियासत का टूल थी।

अब बिजली सबको सब जगह एक समान मिल रही है। अब गांव की सड़क किसी सिफारिश की मोहताज नहीं है यानी शहरी विकास के लिए जिस इच्छाशक्ति की जरूरत है वह भी आज उप्र को मिल रही है। मुझे विश्वास है कि आज राज्य के जिन परियोजनाओं का शिलान्यास हुआ है वह योगी जी के नेतृत्व में तेजी से पूरी की जाएंगी। प्रधानमंत्री ने दावा किया कि देश में अब तक जिन तीन करोड़ परिवारों को प्रधानमंत्री आवास मिले हैं उन्हें एक ही योजना से लखपति बनने का अवसर मिल गया है। ये गरीब परिवार लखपति बन चुके हैं। यह अपने आप में बहुत बड़ी बात है। उन्होंने कहा आप लोग सोचेंगे कि मैं इतना बड़ा दावा किस आधार पर कर रहा हूं। दरअसल प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत देश में जो करीब तीन करोड़ घर बने हैं आप आज उनकी कीमत का अंदाजा लगा लीजिए... यह लोग अब लखपति हैं। मोदी ने इस कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के सभी जिलों में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत चयनित 75 हजार लाभार्थियों को डिजिटल माध्यम से चाबी वितरण कर तीन लाभार्थी महिलाओं से वर्चुअली संवाद भी किया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बनाए गए मकानों का मालिकाना हक महिलाओं को देने का फैसला इसलिए किया है क्योंकि हमारे समाज में मकान, दुकान और जायदाद सब कुछ आमतौर पर पुरुषों के ही नाम होती है इसलिए एक स्वस्थ समाज के लिए संतुलन बनाने के उद्देश्य से सरकार ने प्रधानमंत्री आवास का स्वामित्व घर की महिला को देने का निर्णय लिया है। मोदी ने प्रधानमंत्री आवास योजना पर अमल के मामले में उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार की सराहना करते हुए कहा कि इस सरकार ने अब तक शहरी गरीबों के लिए नौ लाख मकान बना दिए हैं और 14 लाख मकान अपने निर्माण के अलग-अलग चरणों में हैं। प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश में आवास योजना का लाभ पाने वाले नौ लाख परिवारों का आह्वान करते हुए कहा कि इस बार अयोध्या में दीपावली के मौके पर 7.50 लाख दीये जलाने का कार्यक्रम है लाभार्थी परिवार इस बार दीपावली पर अपने अपने घरों में दो-दो दीये जलाएं इससे 18 लाख दीपक प्रज्वलित होंगे जिससे भगवान राम को बहुत खुशी होगी। मोदी ने कहा कि 2014 से पहले केंद्र में जो सरकार थी उसने देश में शहरी आवास योजनाओं के तहत सिर्फ 13 लाख मकान ही मंजूर किए थे।

सार समाचार

खार्तूम में सुरक्षा बलों की छापेमारी: चार आतंकवादी ढेर, एक अधिकारी की भी मौत

काहिरा। सूडान के सुरक्षा बलों ने सोमवार को राजधानी खार्तूम में कई जगह छापेमारी के दौरान इस्लामिक स्टेट संगठन के चार संदिग्ध आतंकवादियों को मार गिराया। इस अभियान में एक सैन्य अधिकारी की भी मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि छापेमारी दक्षिणी खार्तूम के गाबरा में वहीं की गई, जहां पिछले सप्ताह संदिग्ध आईएस आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में पांच खुफिया अधिकारी मारे गए थे। 'जनरल इंटेलिजेंस एजेंसी' (जीआईए) ने एक बयान में बताया कि दो अन्य ठिकानों से बल ने चार अन्य संदिग्ध आतंकवादियों को हिरासत में भी लिया है। आतंकवादियों ने कलाश्निकोव राइफलों, आरपीजी और हथगोले से बलों पर हमला किया था। बयान में बताया गया कि तीन अधिकारी भी घायल हो गए। जीआईए ने बताया कि उसके बलों ने रविवार को खार्तूम के ओमदुरमन में भी एक ठिकाने पर छापा मारा था, जहां से आठ संदिग्ध विदेशी आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया था।

संयुक्त अरब अमीरात में भारतीयों के समूह ने एक करोड़ दिरहम की लॉटरी जीती

न्यूयॉर्क (अमेरिका)। कतर स्थित हाइपर मार्केट चेन में काम करने वाले 40 सदस्यों के एक समूह ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में एक लकी ड्रॉ में एक करोड़ दिरहम की लॉटरी जीती है। इस समूह में 38 भारतीय सदस्य हैं। मीडिया में सोमवार को आयी खबरों में यह जानकारी दी गयी। खलीज टाइम्स की खबरों में कहा गया है कि विजेता टिकट, बिग टिकट लॉटरी से भारतीय प्रवासी नाहील निजामुद्दीन के नाम पर अबु धाबी में खरीदा गया था। खबरों के मुताबिक निजामुद्दीन, केरल के रहने वाले हैं। उनसे रविवार शाम से संपर्क नहीं हो सका, इसलिए लॉटरी आयोजकों को इनाम के बारे में सूचना देने के लिए भारत में उनके माता-पिता से संपर्क करना पड़ा।

दक्षिण कोरिया में 10 में से 9 वयस्कों को वैक्सीन की मिली पहली खुराक

सियोल। स्वास्थ्य अधिकारियों ने मंगलवार को कहा कि दक्षिण कोरिया के 10 में से नौ वयस्कों को कोविड-19 वैक्सीन का एक खुराक मिला है, जिससे देश को हर्ड इम्युनिटी बनाने के लक्ष्य के करीब पहुंचने में मदद मिली है। योनहाप समाचार एजेंसी ने कोरिया रोग नियंत्रण और रोकथाम एजेंसी (केडीसीए) के हवाले से बताया कि अब तक कुल 3.91 करोड़ लोगों ने अपनी पहली खुराक ली है, जो देश की 5.13 करोड़ आबादी का 77.4 प्रतिशत या 18 साल से अधिक उम्र के लोगों का 90 प्रतिशत है। केडीसीए ने कहा कि पूरी तरह से टीकाकरण करने वाले लोगों की संख्या 2.72 करोड़ या कुल का 53 प्रतिशत या वयस्क आबादी का 61.6 प्रतिशत है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने आशा व्यक्त की कि देश अक्टूबर के अंत तक 70 प्रतिशत से अधिक आबादी को पूरी तरह से टीका लगाने में सक्षम हो जाएगा। टीकाकरण और सुचारू टीके की आपूर्ति के लिए लोगों की इच्छा के लिए धन्यवाद दिया। टीकाकरण कार्यक्रम के प्रभारी होंग जंग-इक ने कहा, अधिक टीकाकरण दर से लोगों को सामान्य होने में मदद मिलने की उम्मीद है। केडीसीए के अनुसार, फरवरी के अंत में शुरू हुए टीकाकरण अभियान के शुरूआती चरण में बुजुर्गों की आबादी को प्राथमिकता दी गई थी, क्योंकि 60 और उससे अधिक उम्र के लोगों में टीकाकरण की दर उनके 20, 30 और 40 लोगों की उम्र की तुलना में अधिक थी।

पाकिस्तानी धार्मिक संगठन ने अफगानिस्तान में तालिबान सरकार को मान्यता देने की मांग की

पेशावर। तालिबान द्वारा अफगानिस्तान पर कब्जे के बाद एक परिवर्तित और प्रबुद्ध चेहरा होने के उसके दावों को दुनिया में मान्यता प्राप्त करने में अभी भी समय लग रहा है। अफगानिस्तान में तालिबान के नेतृत्व वाली सरकार की स्थापना को अभी तक दुनिया भर के किसी भी देश द्वारा मान्यता नहीं मिली है, क्योंकि तालिबान को अभी भी अपने वादों को पूरा करना है। जैसा कि दुनिया को अफगानिस्तान में तालिबान के नेतृत्व वाली सरकार को मान्यता देने में समय लग रहा है, पाकिस्तान ने भी वेट एंड वॉच की अपनी नीति को अपनाने का विकल्प चुना है। एक ऐसा रुख जिसकी अब देश के धार्मिक राजनीतिक दलों द्वारा आलोचना की जा रही है। पाकिस्तान की सबसे बड़ी धार्मिक पार्टी जमात-ए-इस्लामी (जेआई) ने प्रधानमंत्री इमरान खान से अफगानिस्तान में तालिबान शासन को तुरंत मान्यता देने की मांग की है, जिसका उद्देश्य युद्धग्रस्त देश और क्षेत्र में शांति का मार्ग प्रशस्त करना है। जेआई के प्रमुख सिराजुल हक ने कहा, इस्लामी देशों को तालिबान सरकार को मान्यता देने के लिए इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) की एक बैठक बुलानी चाहिए। हक ने अमेरिका पर भी निशाना साधा और अफगानिस्तान में उसके 20 साल के युद्ध में हजारों लोगों की हत्या के लिए वाशिंगटन से माफी मांगने की मांग की।

वजीरिस्तान में पाकिस्तानी सेना के जवानों ने टीटीपी के सामने किया आत्मसमर्पण

नई दिल्ली। पाकिस्तान सेना के कुछ जवानों ने वजीरिस्तान में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) सशस्त्र मिलिशिया के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। पाकिस्तानी मानवाधिकार कार्यकर्ता की ओर से ट्विटर पर साझा किए गए एक बयान में यह जानकारी दी गई है।

पाकिस्तानी मानवाधिकार कार्यकर्ता आरिफ आजाकिया ने एक तस्वीर के साथ ट्विटर पर कहा, आत्मसमर्पण की परंपरा को बनाए रखते हुए.. मिराली, वजीरिस्तान में आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-तालिबान टीटीपी द्वारा परेड करते हुए आत्मसमर्पण किए गए पाकिस्तानी सेना के जवान।

इन तीन गंभीर संकटों से जूझ रहा चीन, अर्थव्यवस्था डूबने का बढ़ा खतरा

कोलंबो। (एजेंसी)।

चीन देश इस समय तीन गंभीर मुसीबतों से जूझ रहा है। हिंदी ऑनलाइन मीडिया चैनल जागरण के हवाले से लिखी एक खबर के मुताबिक, चीन इस वक्त तीन सबसे बड़े संकटों से जूझ रहा है जिसमें पहला है, बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव, दूसरा रियल एस्टेट कंपनी एवरग्रैंड पर वित्तीय संकट और तीसरा बिजली के उत्पादन में कमी। पहले संकंत के अतंगर्त बीआरआइ को लेकर दुनिया के कई देशों में ढांचागत परियोजनाएं निरस्त की जा रही है वहीं, चीन के रियल एस्टेट कंपनी एवरग्रैंड पर वित्तिय संकट छाया हुआ और और तीसरा बिजली के कम उत्पादन के कारण चीन के शहरों में पालर कट होने का खतरा बढ़ रहा है। बता दें कि इन तीनों में चीन के लिए सबसे बड़ा संकट बीआरआइ है।

क्या है चीन का बीआरआइ संकट

आपको बता दें कि, चीन ने बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव को सरप्लस पूंजी के निवेश के लिए बनाया गया था और पिछले 20 सालों में चीन का निर्यात काफी ऊंचा रहा और इसी के लिए चीन ने यह योजना बनाई थी। इस योजना के लिए चीन ने दुनिया के कई देशों से कर्ज उठाया ताकि अपने देश में बुनियादी संरचना को खड़ा किया जा सके लेकिन चीन की मुसीबत साल 2019 को बढ़ी जब विश्व बैंक ने चीन की बीआरआइ योजना का अध्ययन करना शुरू किया जिसमें पाया गया कि इस परियोजनाओं से स्थानीय देशों को काफी लाभ होगा। हालांकि, चीन की इस योजना में भारी भ्रष्टाचार शामिल है जिसको देखते हुए कई देश इस परियोजना से अपने आपको दुर करने में जुट गए है। बता दें कि मालदीव देश चीन के इस योजना का पूरा समर्थन करता आ रहा था लेकिन पिछले दिनों मालदीव में चुनाव हुए जिसके तहत प्रोग्रेसिव पार्टी को हार का सामना करना पड़ा और मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी ने जीत हासिल की और मालदीव की डेमोक्रेटिक पार्टी चीन के बीआरआइ योजना का हमेशा से विरोध करते नजर आई थी। वहीं मलेशिया के पीएम ने चीन की बीआरआइ योजना को उपनिवेशवाद का नया रूप बताया था। इसके अलावा म्यांमार नइस परिचोजना से हट चुकी है और श्रीलंका, बांग्लादेश, नेपाल और पाकिस्तान ने भी परियोजनाओं को नया स्वरूप देने का आग्रह कर रहा है। चीन की बीआरआइ योजना से लाभ तो होगा लेकिन इसमें अभी भी कई खामियां है वहीं तअगर चीन की यह योजना सफल नहीं हो पाई तो इसका डूबना निश्चित है। वहीं भारत को अपनी भूमिका निभाते हुए इस पर बड़ा कदम उठाने की जरूरत है नहीं तो भारत का माल विश्व बजार में चीन की तुलना ज्यादा मंहगा हो जाएगा।

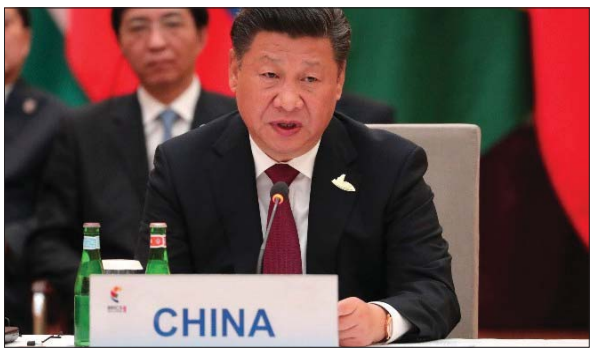

चीन का दूसरा संकट एवरग्रैंड कंपनी

चीन में कोरोना महामारी को देखते हुए कई फ्लैटों की बिक्री में कमी आई है जिससे एवरग्रैंड संकट बढ़ता जा रहा है। देश की इकॉमनी बचाने के लिए चीनी सरकार ने सरकारी इकाइयों को आदेश दिया है कि,एवरग्रैंड की परियोजनाओं को खरीद लिया जाए। इससे कंपनी को डूबने से बचाया जा सकता है।

चीन का तीसरा संकट बिजली

चीन के पीएम शी ने देश में प्रदूषण को कम करने के लिए थर्मल बिजली संयंत्रों का आदेश सुनाया। इन नियमों का पालन करने के चक्कर में देश के कई बिजली संयंत्रों को बंद करने का ऐलान किया गया, इससे बिजली का उत्पादन कम हो गया। कई बिजली कर्पनियों ने बिजली देनी बंद कर दी, कई शहरों में पावर कट लागू किए गए। चीन का संकट उसकी खुद की गलती है। चीन स्वच्छ ऊर्जा के उत्पादन को बढ़ाने में लगा हुआ है जिसके तहत चीन ने यह सख्त कदम उठाया।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र में कहा, सामूहिक विनाश के हथियारों के प्रसार को लेकर बहुत चिंतित हैं

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)।

भारत ने शांति एवं सुरक्षा को खतरे में डालने वाले सामूहिक विनाश के हथियारों (डब्ल्यूएमडी) और उन्हें ले जाने वाली प्रणाली के प्रसार पर गहरी चिंता जताई और कहा कि ऐसे हथियारों तक आतंकवादियों की पहुंच बनने की आशंका के कारण वैश्विक समुदाय को इस गंभीर खतरे से निपटने के लिए एक साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता है। निरस्त्रीकरण पर सम्मेलन (सीडी), जिनेवा में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पंकज शर्मा ने कहा कि भारत इन खतरों और अपने वार्षिक संयुक्त राष्ट्र महासभा प्रस्ताव 'सामूहिक विनाश के हथियारों को हासिल करने से आतंकवादियों को रोकने के उपायों' के जरिए इनसे निपटने पर अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने की आवश्यकता की ओर दुनिया का ध्यान खींचता रहा है। उन्होंने

सोमवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा के 76वें सत्र की प्रथम समिति की आम चर्चा में कहा, ''हम सामूहिक विनाश के हथियारों और उनकी डिलीवरी प्रणाली के प्रसार को लेकर बहुत चिंतित हैं जो अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा को खतरे में डालती है।

आतंकवादियों के सामूहिक विनाश के हथियारों को हासिल करने की आशंका के कारण सदस्य देशों को इस गंभीर खतरे से निपटने के लिए एक साथ मिल कर काम करने की आवश्यकता है।'' उन्होंने कहा कि आतंकवादियों के हाथों में हथियार अवैध छोटे हथियारों और हल्के हथियारों का सबसे खतरनाक रूप है। उन्होंने कहा, ''अत- भारत आतंकवाद और पारदेशीय अपराध से निपटने के माध्यमों के तौर पर संयुक्त राष्ट्र कार्रवाई कार्यक्रम का पूरी और प्रभावी तरीके से क्रियान्वयन को अहमियत देता है।'' शर्मा ने प्रथम समिति के सत्र में ये टिप्पणियां की जो निरस्त्रीकरण और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों से निपटती है। उन्होंने कहा कि भारत सार्वभौमिक, गैर-भेदभावपूर्ण और सत्यापित परमाणु निरस्त्रीकरण के लक्ष्य को लेकर प्रतिबद्ध है। भारतीय राजदूत ने कहा कि भारत परमाणु हथियार संपन्न एक जिम्मेदार देश है और परमाणु हथियार का पहले इस्तेमाल न करने और गैर परमाणु संपन्न देशों के खिलाफ इसका प्रयोग न करने के रुख के साथ अपने परमाणु सिद्धांत को लेकर प्रतिबद्ध है।

चीन और पाकिस्तान के सैनिकों ने एससीओ के तहत आतंकवाद रोधी अभ्यास में हिस्सा लिया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के क्षेत्रीय आतंकवाद रोधी ढांचे (आरएटीएस) के तहत पाकिस्तान में आयोजित पहला आतंकवाद-रोधी अभ्यास सोमवार को संपन्न हो गया, जिसमें चीन और पाकिस्तान के सैनिकों नेअपने अनुभव साझा किए।

पाकिस्तानी सेना ने एक बयान में कहा कि आतंकवाद रोधी संयुक्त अभ्यास (जेएटीई) - 2021 का समापन समारोह उत्तर-पश्चिमी खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत के राष्ट्रीय आतंकवाद रोधी केंद्र, पब्बी में आयोजित किया गया।

बयान में कहा गया, ''अभ्यास अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद का मुकाबला करने में सहयोग और एकजुटता बढ़ाने पर केंद्रित है।'' चीन और पाकिस्तान के सैनिकों ने अभ्यास में भाग लिया और उभरते खतरों का मुकाबला करने के लिए उपयोग की जा रही उभरती प्रौद्योगिकियों को लेकर अपने अनुभव साझा किये।

दो सप्ताह तक चला यह अभ्यास 21 सितंबर को शुरू हुआ था, जो इसका दूसरा चरण था। पहला चरण 26 से 31 जुलाई तक आयोजित किया गया था।

जर्मनी में रोजगार अगले साल 2022 में पूर्व-महामारी के स्तर पर पहुंच जाएगा

बर्लिन (एजेंसी)।

रोजगार अनुसंधान संस्थान (आईएबी) ने एक पूवार्नुमान में कहा है कि जर्मनी में रोजगार 2022 में पूर्व-कोविड -19 महामारी के स्तर पर वापस आ सकता है और उससे भी अधिक हो सकता है। समाचार एजेंसी ने पूवार्नुमान के हवाले से कहा कि कोविड -19 संकट के बाद, जर्मनी में सामाजिक सुरक्षा योगदान के अधीन कर्मचारियों की संख्या 2022 में 550,000 से बढ़कर 344.2 लाख हो सकती है। आईएबी के शोध प्रमुख इंजो वेबर ने एक बयान में कहा, यह नई रिकॉर्ड ऊंचाई स्थापित करेगा। हालांकि, सामाजिक सुरक्षा योगदान के अधीन रोजगार अभी भी विकास के रास्ते से काफी दूर है जो संकट के बिना अपेक्षित होता। आईएबी को उम्मीद है कि जर्मन अर्थव्यवस्था के लगभग सभी क्षेत्रों में रोजगार बढ़ेगा। विशेष रूप से वर्ष की दूसरी छमाही में खानपान और पर्यटन के साथ-साथ परिवहन, सांस्कृतिक, खेल और व्यापार मेला क्षेत्रों में रिकवरी की उम्मीद है। कोविड -19 महामारी से आर्थिक सुधार के मद्देनजर श्रम की मांग बढ़ने के साथ, श्रम बाजार में अड़चनें एक बार फिर और अधिक प्रासंगिक हो जाएंगी। वेबर ने कहा, यह वर्तमान में आतिथ्य उद्योग के कुछ हिस्सों जैसे क्षेत्रों को प्रभावित कर रहा है, जिन्होंने लॉकडाउन के दौरान बहुत सारे कर्मचारियों को खो दिया है और जिन्हें अब कम समय में बहाल करने की आवश्यकता है। आईएबी के अनुसार, जर्मनी में बेरोजगारी दर 2022 में मौजूदा 5.4 प्रतिशत से घटकर 5.1 प्रतिशत हो जाएगी, जो 2019 की तुलना में थोड़ा अधिक है।

संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान ने फिर उठाया कश्मीर मुद्दा, भारत ने लगाई फटकार

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र में कश्मीर मुद्दे को फिर से उठाने के लिए पाकिस्तान पर कड़ा प्रहार करते हुए भारत ने कहा कि ऐसे देश से रचनात्मक योगदान की उम्मीद नहीं की जा सकती, जिसके पास आतंकवादियों की मेजबानी करने की एक स्थापित प्रथा है, जो वैश्विक आतंकवाद का ''केन्द्र'' है और दुनिया को अस्थिर करने वाली सबसे बड़ी ताकत है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन के सलाहकार, ए. अमरनाथ ने सोमवार को कहा कि भारत को ऐसे देश से सलाह की जरूरत नहीं है, जिसका परमाणु सामग्री एवं प्रौद्योगिकी के अवैध निर्यात का एक सिद्ध इतिहास रहा है। अमरनाथ ने कहा, '' पाकिस्तान की बहुपक्षीय मंचों की शुचिता का हनन करने और झूठ को हवा देने की कोशिशों की हमें मिलकर निंदा करनी चाहिए। पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ कई निरर्थक एवं निराधार आरोप लगाए हैं, जिसमें जम्मू-कश्मीर और लद्दाख केन्द्र शासित प्रदेशों के संबंध में की गई टिप्पणियां भी शामिल हैं। ये प्रतिक्रिया के योग्य नहीं हैं, क्योंकि ये भारत के आंतरिक मामलों से संबंधित हैं।''

संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के दूत मुनीर अकरम द्वारा निरस्त्रीकरण और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मुद्दों से संबंधित महासभा की समिति की बैठक के दौरान जम्मू-कश्मीर के मुद्दे को उठाने के बाद भारत ने अपने उत्तर के अधिकार का प्रयोग किया। अमरनाथ ने दोहराया कि जम्मू-कश्मीर का पूरा केन्द्र शासित प्रदेश भारत का अभिन्न एवं अविभाज्य हिस्सा था .. है..और रहेगा। उन्होंने कहा, '' इसमें वे इलाके भी शामिल हैं, जो पाकिस्तान के अवैध कब्जे में हैं। हम पाकिस्तान से उसके अवैध कब्जे वाले सभी क्षेत्रों को तुरंत खाली करने का आह्वान करते हैं।

आतंकवादियों की मेजबानी, सहायता और सक्रिय रूप से समर्थन देने के उसके स्थापित अभ्यास को देखते हुए, कोई भी पाकिस्तान से उस समिति के लिए किसी भी रचनात्मक योगदान की उम्मीद कैसे कर सकता है, जो अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा के महत्वपूर्ण मामलों से संबंधित है।'' पाकिस्तानी दूत द्वारा नयी दिल्ली में भारत के रक्षा शस्त्रागार का भी जिक्र करने पर पलटवार करते हुए अमरनाथ ने कहा, ''एक जिम्मेदार देश के रूप में, भारत अंतरराष्ट्रीय संधियों के तहत अपने दायित्वों का सख्ती से पालन करता है और ऐसे किसी देश से किसी भी सलाह की आवश्यकता नहीं है, जिसका अवैध निर्यात का एक सिद्ध इतिहास है। '' उन्होंने कहा, '' भारत की सुरक्षा संबंधी चिंताएं एक क्षेत्र तक ही सीमित नहीं हैं और इसलिए, भारत ने हमेशा वैश्विक संदर्भ में इन मुद्दों पर गौर किया है।''

तालिबान ने नहीं भरा बिजली का बिल! पूरे काबुल पर छा सकता है अंधेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

जब से अफगानिस्तान में तालिबान का सत्ता आया है तभी से लोगों की जिंदगी में अंधकार छा गया है। इस तालिबानी हुकुमत में अफगान के लोगों पर एक पर एक मुसीबतों का पहाड़ टूट रहा है। बता दें कि अफगानिस्तान जहां एक तरफ ठंड बढ़ती जा रही है वहीं राजदानी काबुल में अंधेरा छा गया है।

एक खबर के मुताबिक, नए तालिबान शासकों ने सेंट्रल एशियन इलेक्ट्रिकसिटी सप्लायर्स के बकाया बिल का भुगतान ही नहीं किया है।वाल स्ट्रीट जरनल के अनुसार, तालिबान शासन के आते ही अफगानिस्तान के सरकारी ऊर्जा प्राधिकरण दाऊद नूरजई ने इस्तीफा दे दिया था और इस्तीफा देते समय चेतावनी भी दी थी कि, बिजली के बिल का भुगतान नहीं किया गया है और अगर इसका भुगतान जल्द ही नहीं कराया गया तो आने वाले समय में हालात काफी विनाशकारी हो सकते है। 15 अगस्त को काबुल की धरती पर तालिबानियों ने अपने पैर जमाए थे और इससे दो हफ्ते पहले ही दाऊद नूरजई ने अपने पद से इस्तीफा दिया था। उन्होंने कहा कि, हालात नहीं संभले तो काबुल ही नहीं पूरे अफगानिस्तान में ब्लैकआउट हो जाएगा जो कि बेहद घातक साबित होगा।

क्या चीन सैनिकों की है अफगानिस्तान पर मौजूदगी

बताया जा रहा है कि, अफगानिस्तान पर चीनी और विदेशी सैनिकों की मौजूदगी है लेकिन इस बात को इंकार करते हुए सांस्कृतिक आयोग के सदस्य ओमर मंसूर ने बताया कि, चीनी समेत किसी भी विदेशी सेना की अफगानिस्तान पर मौजूदगी नहीं है। वहीं , निवासियों के मुताबिक, एयरबेस पर लाइट जलती दिखाई दी है, लेकिन मंसूर ने जानकारी देते हुए सफाई दी कि यह बत्तियां तालिबानियों ने जलाई हैं।

चेहरे की किताब के अनसुने पन्ने हुए उजागर, विभिन्न देशों की राजनीति को प्रभावित करने के साथ ही हेट स्पीच को भी बढ़ावा देता है फेसबुक

नई दिल्ली (एजेंसी)।

चेहरे की किताब यानी फेसबुक जिसके जरिए हम दोस्तों से जुड़े रिश्तेदारों से जुड़े। एक ऐसा सोशल मीडिया प्लेटफार्म जहां आप पोस्ट या फोटोज डालकर ये बता सकते हैं कि क्या कर रहे हैं, क्या सोच रहे हैं। इसके सबसे ज्यादा यूजर भारत में हैं। फेसबुक के जरिए हमें दोस्तों का रिश्तेदारों का और खबरों का भी हाल पता चलता है। यूं तो दुनियाभर में फेसबुक और उसके दोनों प्लेटफॉर्म व्हाट्सअप और इंस्टाग्राम का जलवा है। लेकिन भारत में इनकी लोकप्रियता चौंकाने वाली है। तीनों सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने बीते डेढ़ दशक के भीतर खास मुकाम हासिल किया है। लेकिन बीते दिन फेसबुक और उसके दोनों प्लेटफॉर्म के ठप्प होने की खबरें सुर्खियों में रही। जिसकी वजह से ट्विटर पर लोगों की खूब प्रतिक्रिया भी देखने को मिली। लेकिन इन सब बातों से इतर आज बात इससे आगे की करेंगे। एक खुलासे की करेंगे जिसने फेसबुक की विश्वसनियता को एक बार फिर सवालों के कटघरे में खड़ा कर दिया है।

दरअसल, एक डेटा साइंटिस्ट और फेसबुक व्हिसलब्लोअर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को लेकर कई विस्फोटक खुलासे किए हैं और गंभीर सवाल भी उठाए हैं। फ्रांसेस हॉगन नामक व्हिसलब्लोअर ने 60 मिनट के अपने इंटरव्यू में फेसबुक से संबंधित कई ऐसी बातें बताई हैं जिससे उसकी निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। टेलीविजन शो 60 मिनट पर सामने आईं फ्रांसेस हॉगन ने आरोप लगाया कि सोशल मीडिया कंपनी लाभ कमाने के लिए हेट स्पीच बढ़ावा देता है और अपने दावे से इतर हमेशा झूठ बोलता है। हॉगन की तरफ से किए गए दावे के अनुसार वो हमेशा नफरत फैलाने वाली बातों पर रोक लगाने की बजाय अपने हित और फायदों को ज्यादा तवज्यो देता है।

कौन हैं फेसबुक पर खुलासा करने वाली हॉगेन

फ्रांसेस हॉगेन 37 वर्ष की एक डेटा साइंटिस्ट हैं। जिनके पास कंप्यूटर इंजीनियरिंग में डिग्री और व्यवसाय में हार्वर्ड मास्टर डिग्री है। 15 वर्षों तक उन्होंने Google और Pinterest जैसी कंपनियों के लिए काम किया है। उनका कहना है कि मैंने सोशल नेटवर्क का एक समूह देखा है और यह फेसबुक पर पहले की तुलना में काफी खराब था।

पैसा कमाने को दी अहमियत

फ्रांसेस हॉगेन ने दावा किया कि फेसबुक ने हमेशा अपने यूजर्स की सुरक्षा से ज्यादा प्रॉफिट को अहमियत दी। 2021 की दूसरी तिमाही तक फेसबुक के लगभग 2.8 बिलियन एक्टिव यूजर्स थे। 60 मिनट के होस्ट स्कॉट पेले से बात करने हुए वो कहती हैं कि लोगों के लिए क्या अच्छा था और फेसबुक के लिए क्या अच्छा था। इन दोनों को लेकर संघर्ष था और फेसबुक ने खुद के हितों के लिए बार-बार अधिक पैसा कमाने को चुना। हॉगेन ने जिन एल्गोरिदम का उल्लेख किया था, उन्हें 2018 में प्लेटफॉर्म पर लॉन्च किया गया था। फेसबुक ने इसका इस्तेमाल अपने यूजर्स में भय और नफरत पैदा करके प्लेटफॉर्म पर लोगों की मौजूदगी को बढ़ाने के लिए किया। उन्होंने कहा कि कल्पना कीजिए कि आप जानते हैं कि फेसबुक के अंदर क्या चल रहा है और आप जानते हैं कि बाहर कोई नहीं जानता। मुझे पता था कि अगर मैं फेसबुक के अंदर रहना जारी रखता हूं तो मेरा भविष्य कैसा दिखता।

कई देशों की राजनीति को प्रभावित कर रहा फेसबुक

फ्रांसेस ने फेसबुक में नौकरी की थी और उन्होंने कई दस्तावेज कॉपी भी किये, क्योंकि उन्हें कहीं न कहीं फेसबुक की कथनी और करनी में अंतर लगा था। फ्रांसेस ने एक स्टडी में बताया कि फेसबुक ने हेट स्पीच पर 3 से 5 प्रतिशत ही कदम उठाए हैं और 'हिंसा और भड़काने' वाली गतिविधियों के अंतर्गत केवल 1त्न पर। इसके साथ ही हॉगन ने कहा कि जब हम एक ऐसे सूचना वातावरण में रहते हैं जो क्रोधित, घृणास्पद, ध्रुवीकरण वाली सामग्री से भरा होता है, तो यह हमारे सामाजिक समरसता को प्रभावित करता है और एक-दूसरे में हमारे विश्वास को भी संदेहास्पद बना देता है। फेसबुक पर आज भी ऐसे संस्करण मौजूद हैं जो हमारे समाजों को तोड़ रहे हैं और दुनिया भर में जातीय हिंसा का कारण भी बन रहे हैं। इसी क्रम में उन्होंने 2018 में म्यांमार सहित जातीय हिंसा का जिक्र कर कहा कि 'सेना ने नरसंहार शुरू करने के लिए फेसबुक का इस्तेमाल किया।

संपादकीय

फिर दुखद हिंसा

रविवार को लखीमपुर खीरी में हुई हिंसा जितनी दुखद है, उतनी ही शर्मनाक भी। पहली दृष्टि में यह समाज में लोगों के कम होते धीरज का ताजा प्रमाण है, जिसकी वजह से हमारी संस्कृति पर कई प्रश्न खड़े होने लगे हैं। प्रदर्शन के लिए जुटे या जुट रहे किसानों पर तेज रफ्तार से गाड़ी चढ़ा देना और उसके बाद गुस्साए किसानों का जवाबी हमला, दोनों में से कोई कड़ी आलोचना से परे नहीं है। पृष्ठभूमि देखने से पता चलता है कि वहां पिछले कुछ दिनों से आक्रोश सुलग रहा था और रविवार को एक लापरवाही या बदमाशी की चिनगारी लगते ही आग भड़क उठी। इसमें कोई शक नहीं कि स्थानीय प्रशासन अगर सचेत रहता, तो आक्रोश का यह परिणाम नहीं होता। खैर राज्य प्रशासन ने समय रहते तत्काल हस्तक्षेप करके किसानों के तात्कालिक गुस्से को शांत किया, यह सबसे जरूरी थी। भारतीय किसान संघ के नेता राकेश टिकैत के नेतृत्व में विरोध कर रहे किसानों और प्रशासन के बीच वार्ता सोमवार को एक सकारात्मक समझौते पर समाप्त हुई। जाहिर है, सरकार का रुख उदारवादी रहा, क्योंकि आक्रोश को शांत करने के लिए किसानों की तात्कालिक मांगों को पूरा करना जरूरी था। जैसे बाकी दलों के नेताओं को आक्रोश के क्षेत्र में आने से रोका गया, ठीक वैसा ही किसानों के नेता राकेश टिकैत के साथ नहीं किया गया। उनके नेतृत्व में किसानों की बात सुनी गई, जिसकी वजह से हुए समझौते के मुताबिक, सरकार चार मृतक किसानों के परिवारों को 45 लाख रुपये और एक नौकरी देगी, जबकि घायलों को 10-10 लाख रुपये की सहायता दी जाएगी। जान की कीमत कोई राशि नहीं हो सकती, लेकिन तब भी पीड़ित किसानों को शांत करने के लिए सरकार का यह कदम परंपरा के अनुरूप है। पंजाब, हरियाणा के किसानों ने भी लखीमपुरी खीरी के किसानों के पक्ष में बंद या प्रदर्शन का आयोजन किया, लेकिन इस घटना को पूरे किसान आंदोलन से जोड़कर नहीं देखना चाहिए। यह शुद्ध रूप से एक निर्मम आपराधिक घटना है, इसमें किसी भी दोषी को छोड़ना नहीं चाहिए। कानून हाथ में लेने वालों पर शिकंजा कसना चाहिए। हमला करके चार निहत्थे लोगों को जान से मारने का हक किसी ने किसी को नहीं दिया है। जो पीड़ित हैं, उनके साथ न्याय हो, लेकिन जिन लोगों ने कानून का मजाक बनाया है, उन्हें खुला छोड़ना समाज केलिए ठीक नहीं। बहरहाल, अच्छी बात है कि किसानों की शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज करने की मांग को पहले ही पूरा किया जा चुका है। साथ ही, उच्च न्यायालय के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश हिंसा की जांच करेंगे। राज्य सरकार को आगे भी बिल्कुल ध्यान रखना चाहिए कि इस हिंसा का यहीं पटाक्षेप हो जाए, इसका आगे कोई राजनीतिक, धार्मिक या सांप्रदायिक स्वरूप न बने। आने वाले दिनों में उत्तर प्रदेश में चुनावी सरगर्मी बढ़ती जाएगी, अत- यह राज्य सरकार की जिम्मेदारी है कि वह पक्ष या विपक्ष में किसी को भी अप्रिय स्थिति पैदा करने का मौका न दे। साथ ही, विपक्षी नेताओं के प्रति तार्किक उदारता का व्यवहार भी जरूरी है, ताकि उत्तर प्रदेश में कोई गलत परंपरा न बन जाए। तमाम नेताओं को समग्रता में संयम दिखाना होगा। आज के समय में राजनीति करना या आग लगाना बहुत आसान हो गया है। अतः यह समय देश के हर व्यक्ति से शालीनता या समझदारी की मांग कर रहा है।

'आज के ट्वीट

मैनेज

आप भीड़ इकट्ठी कर लो, भड़काने का काम करो, ये अच्छी परंपरा नहीं है, ये अगर परंपरा रही तो आगे मर्तियां कैसे होंगी? तो ये विपक्ष को समझना चाहिए कि ऐसी गलती न करें क्योंकि जब BJP का शासन था तब भी पेपर आउट कई बार हुए हैं, हमने तो रीट के पूरे प्रोसेस को बड़े अच्छे ढंग से मैनेज किया है।

मु. अशोक गहलोत

काबुल का फ़ितना

जावेद अनीस

तालिबान वापस आ गये हैं, इस बार पहले से अधिक मजबूती, स्वीकार्यता और वैधता के साथ. नाइन इलेवन के ठीक पहले उनकी यह वापसी उसी अमरीका से समझौते के बाद हुयी है जिसने 2001 में उन्हें सत्ता से बेदखल किया था. तालिबान के इस जीत की मुद्रा दुनिया के महाबली अमरीका के खिलाफ विजेता की तरह है. जिस अंदाज से अमरीका ने अफगानिस्तान से अपना पीछा छुड़ाया है उससे दुनिया भर में यह धारणा बनी है कि अफगानिस्तान से अमरीका की वापसी नहीं हुई है बल्कि वह पीठ दिखाकर भगा है. दूसरी तरफ तालिबान के प्रति यह सोच बनी है कि वे वैश्विक महाशक्तियों से लोहा ले सकते हैं. दुनिया भर के इस्लामी कट्टरपंथी भी तालिबान की इस कामयाबी को लेकर गदगद हैं.इधर तालिबान दुनिया के सामने खुद का अधिक स्वीकार्य चेहरा पेश करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं इस बार वे डिप्लोमेसी और छवि निर्माण के महत्व को सीख गये लगते हैं. इस बार उनका सबसे अधिक जोर अपनी वैधता को लेकर हैं जिसमें वे काफी हद तक कामयाब भी साबित हो रहे हैं. अमरीका से तो वे समझौता करके वापस ही आये हैं, चीन और रूस जैसी दूसरी ताकतों का रुख भी उनके प्रति सकारात्मक है. वे संयुक्तराष्ट्र से भी अपनी वैधता हासिल करना चाहते हैं. इस संबंध में तालिबान सरकार के विदेश मंत्री द्वारा यूएन महासचिव को पत्र लिखकर आग्रह किया गया था कि उन्हें संयुक्त राष्ट्र महासभा के 76वें सत्र में शामिल होने और अपनी बात रखने का मौका दिया जाये. इसी तरह से टाइम मैगजीन ने 2021 में दुनिया भर के जिन 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की सूची प्रकाशित की है उसमें तालिबान के नेता मुल्ला अब्दुल गनी बरादर का नाम भी शामिल है. लेकिन दुनियाभर के प्रगतिशील और अमनपसंद लोग तालिबान की वापसी और उनकी बढ़ती स्वीकार्यता को लेकर चिंतित हैं. दरअसल तालिबान एक रणनीति के तहत मुखौटा लगाकर खुद को अलग पेश करने की कोशिश कर रहे हैं. लेकिन उनका नया वर्जन ज्यादा घातक है क्योंकि जरूरत के हिसाब से वे अब गिरगिट की तरह रंग बदलन भी सीख गए हैं. अफगानिस्तान से अमरीका के इस वापसी की तुलना वियतनाम में अमरीका की हार से की जा रही है जबकि बाइडन प्रशासन इसे 'दुष्ट' राष्ट्रों के द्वारा अमरीका के खिलाफ एक सोची-समझी रणनीति बताने की कोशिश कर रहा है जिसमें चीन और ईरान प्रमुख रूप से शामिल है. अमरीका अब 'शांति' और 'कूटनीति' की बात कर रहा है, संयुक्त राष्ट्र महासभा में दिए अपने भाषण में बाइडन ने कहा है कि 'हम एक और शीत युद्ध नहीं चाहतेज़.हमने अफ़गानिस्तान में 20 साल से चल रहे संघर्ष को खत्म कर दिया है और हम कूटनीति के दरवाजे खोल रहे हैं.' लेकिन लोकतंत्र, आधुनिक मूल्यों के रक्षक और आतंकवाद से लड़ाई का दावा करने वाले महाशक्ति अमरीका की नीतियां हमेशा से ही मतलबी, विरोधाभासी और दोगली रही हैं. यह अमरीका ही है जिसने खुदा के वजूद से इनकार करने वाले अफगान कम्युनिस्टों और सोवियत-संघ के खिलाफ मुजाहिदीन को खड़ा करने में प्रमुख भूमिका निभायी. 2001 में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हुए हमले के बाद अमरीका और अफगानिस्तान एक तरह से तालिबान के खिलाफ युद्ध छेड़े रहा. लेकिन इसके 20 वर्षों बाद अमरीका इसी तालिबान से कूटनीति समझौता कर लेता है. अमरीका के इस कदम से तालिबान के हौंसले बुलंद है, वे इसे अपनी एकतरफा जीत की तरह पेश कर रहे हैं जबकि अमरीका इसे एक समझौता तक कहने की भी हिम्मत नहीं जुटा पा रहा है. अमरीका के इस कदम से दुनिया भर में उसके इकबाल को गहरा आघात लगा है. चीन के मीडिया ने अमरीका पर तंज़ करते हुए लिखा है कि अफगानिस्तान में 'सत्ता परिवर्तन' अमेरिकी राष्ट्रपति बदलने की तुलना में अधिक स्मूथ है.

तालिबान नहीं उनकी रणनीति बदली है

तालिबान की विचारधारा इस्लाम के रूढ़िवादी व्याख्या पर आधरित है और इसी के आधार पर वे खुद को संचालित करते हैं. पिछली बार जब वे सत्ता में आये थे तो उन्होंने अपने इसी विचारधारा को बहुत ही बेहरमी से लागू किया था. इस दौरान तानाशाह इस्लामिक अमीरात की स्थापना की था और उनका यह दौर अफगानिस्तान, महिलाओं, अल्पसंख्यकों, उदारवादियों और शियाओं आदि के लिए जहन्नुम साबित हुआ था.

इस बार वे खुद को बदला हुआ दिखाने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन यह उनकी रणनीति है कि वे इस तरह से दुनिया में अपने शासन की वैधता और अंतरराष्ट्रीय मदद चाहते हैं. उनकी विचारधारा वही है लेकिन इसको लेकर वे पहले से ज्यादा शातिर और चालाक हो गये. इस बार उन्होंने अपनी विचारधारा में अफगान राष्ट्रवाद भी शामिल कर लिया है. इस बार वे खुद को सिर्फ इस्लाम ही नहीं बल्कि अफगानिस्तान के रक्षक के तौर पर पेश करने में कामयाब रहे हैं. वे अमरीका जैसी ताकतों के साथ 'सम्मानजनक' समझौता करने में कामयाब रहे हैं जो उनकी बढ़ी हुयी कूटनीतिक समझ को दर्शाता है. वे अपने छवि निर्माण पर भी काफी ध्यान दे रहे हैं, इसके लिए सोशल मीडिया जैसे माध्यमों का भरपूर उपयोग कर रहे है. वे इस बात का पूरा ध्यान रख रहे हैं कि इस बार विचलित करने वाली तस्वीरें दुनिया के सामने न आ सकें. लेकिन वे अब भी अपनी मूल विचारधारा पर दृढ़ता से कायम है बस इस बार इसमें वे व्यावहारिकता लाने की कोशिश कर रहे हैं. इस बार भी उन्होंने अफगानिस्तान को इस्लामिक अमीरात बनाया है, वे पिछली बार की तरह इस बार भी शरिया कानून लागू कर रहे हैं. महिलाओं और लड़कियों को वे 'शरीअत' के दायरे में 'अधिकार' देने की बात कर रहे हैं. तालिबान के अंतरिम उच्च शिक्षा मंत्री अब्दुल बाकी हक्कानी का कहना है कि लड़कों और लड़कियों को एक साथ पढ़ने की अनुमति नहीं होगी साथ ही इस्लाम के खिलाफ लिखी हर चीज को शिक्षा व्यवस्था से हटा दिया जाएगा. यही तो उन्होंने पिछली बार भी किया था. एमनेस्टी इंटरनेशनल का कहना है कि तालिबान भले ही यह जतलाने की कोशिश कर रहे हों कि वे इस बार बदल गए हैं, असल में वे पिछले 20 सालों में किये गये प्रगतिशील सुधारों को बहुत तेजी से खत्म कर रहे हैं.

महाशक्तियों का पुराना अखाड़ा और नया खेल

अफगानिस्तान हमेशा से ही महाशक्तियों का पुराना अखाड़ा रहा है जहां वे अपनी ताकत आजमाते रहे हैं. पहले ब्रिटेन, सोवियत रूस , अमरीका और पश्चिम देश और अब चीन. इन सबके बीच सोवियत के समय से पाकिस्तान चालाक लोमड़ी की भूमिका में है जिसके दोनों हाथों में लड्डू है. संयुक्त राज्य अमेरिका का बाइडेन प्रशासन यह जतलाने की कोशिश कर रहा है कि उसने एक सोची-समझी रणनीतिक योजना के आधार पर अफगानिस्तान को खाली किया है, इसका खुलासा करते हुए बाइडेन कह चुके हैं कि वे 'चीन से बेहतर तरीके से लड़ने के लिए अफगानिस्तान से बाहर हुए हैं'. लेकिन शायद बाइडेन यह भूल रहे हैं कि यह कोई नब्बे का दशक नहीं है और ना ही चीन कोई सोवियत रूस है. चीन अपने आप में एक ऐसी व्यवस्था है जो वामपंथी राजनीतिक ढ़ांचे से पूंजीवाद का संचालन कर रहा है, अटपटी से लगने वाली यह व्यवस्था इतनी सफल साबित हुई है कि इसने पिछले कुछ दशकों के दौरान ही चीन को महाबली अमरीका के मुकाबले में लाकर खड़ा कर दिया है. सोवियत रूस की तरह अपने 'माडल' को दूसरे मुल्कों में एक्सपोर्ट करने की उसे कोई दिलचस्पी नहीं है. चीन एक सूदखोर लाला की तरह है जिसका पूरा जोर अपने आर्थिक हित में है. इसलिए अफगानिस्तान से अमरीका के हटने को चीन एक मौके के तौर पर देख रहा है, ना केवल आर्थिक तौर पर बल्कि एशिया में अपनी पकड़ मजबूत करने के तौर पर भी. चीन ने तालिबान को अफगानिस्तान की वास्तविकता बताते हुए इसे स्वीकार करने का सन्देश दिया है. चीन ने अफगानिस्तान में शांति और पुनर्निर्माण में 'अहम भूमिका' निभाने की बात की है साथ ही तालिबान को अफगानिस्तान की 'संप्रुभता, स्वतंत्रता और क्षेत्रीय अखंडता' के सम्मान का भरोसा भी दिलाया है.

निराश न हों

श्रीराम शर्मा आचार्य

आशावाद मनुष्य के लिए अमृत तुल्य है। जैसे तृषित को शीतल जल, रोगी को औषधि से, अंधकार को प्रकाश से, वनस्पति को सूर्य से लाभ होता है, उसी भांति आशावाद की संजीवनी बूटी से मृतप्राय मनुष्य में जीवन शक्ति का प्रादुर्भाव होता है। आशावाद वह दिव्य प्रकाश है जो हमारे जीवन को उत्तरोत्तर परिपुष्ट, समृद्धिशाली और प्रगतिशील बनाता है। सुख, सौंदर्य एवं सफलता की अलौकिक छटा से उसे विभूषित कर उसका पूर्ण विकास करता है। उसमें माधुर्य का संचार कर विघ्न-बाधा, दुख, क्लेश और कठिनाइयों पर विजय प्राप्त कराने वाली गुप्त मनःशक्ति जागृत करता है। आत्मा की शक्ति से दैदीप्यमान आशावादी उम्मीद का पल्ला पकड़े पलोभनों को रौंधता हुआ अग्रसर होता है। वह पथ-पथ पर विचलित नहीं होता, उसे कोई बात असंभव प्रतीत नहीं होती, उसे कोई कार्य असंभव प्रतीत नहीं होता, उसे कोई पराजित नहीं कर सकता, संसार की कोई शक्ति उसे नहीं दबा सकती क्योंकि सब शक्तियों का विकास करने वाली 'आशा' की शक्ति सदैव उसकी आत्मा को तेजोमय करती है। संसार के कितने ही व्यक्ति अपने जीवन को उचित, श्रेष्ठ और श्रेय के मार्ग पर नहीं लगाते। किसी एक उद्देश्य को स्थिर नहीं करते, न वे अपने मानसिक संकल्प को इतना दृढ़ ही बनाते हैं कि निज प्रयत्नों में सफल हो सकें। सोचते कुछ हैं करते कुछ और हैं। काम किसी एक पदार्थ के लिए करते हैं आशा किसी दूसरे की ही करते हैं। करील के वृक्ष बोकर आम खाने की अभिलाषा रखते हैं। हाथ में लिए हुए कार्य के विपरीत मानसिक भाव रखने से हमें अपनी निदिष्ट वस्तु कदापि प्राप्त नहीं हो सकती। बल्कि हम इच्छित वस्तु से और भी दूर जा पड़ते हैं। तभी हमें नाकामयाबी, लाचारी, तंगी, क्षुद्रता प्राप्त होती है। अपने को भाग्यहीन समझ लेना, बेबसी की बातों को लेकर झोंकना और दूसरों की सिद्धि पर कुढ़ना हमें सफलता से दूर ले जाता है। विरोधी भाव रखने से मनुष्य उन्नत अवस्था में कदापि नहीं पहुंच सकता। संसार के साथ अविरोधी रहो, क्योंकि विरोध संसार की सबसे उत्कृष्ट वस्तुओं को अपने निकट नहीं आने देता और अविरोध उत्कृष्ट वस्तुओं का एक आकषर्क बिन्दु है। तुम्हारे भाग्य में आशावाद का स्वर्ग आया है न कि निराशावाद का नर्क। तुम अपनी जीवन यात्रा में मंदगति से घिसटते हुए पशुवत पड़े रहने के लिए जगत में प्रविष्ट नहीं हुए हो।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कबड्डी का स्टार खिलाडी सचिन तंवर

रमेश सर्राफ धमोरा

कभी घर वालों से छुप छुप कर हरियाणा तक कबड्डी खेलने जाने वाला सचिन तंवर आज देश में कबड्डी के पांच बड़े खिलाड़ियों में से एक है। राजस्थान में झुंझुनू जिले के बड़बर गांव का सचिन तंवर के लिये कबड्डी खेलना किसी जुनून से कम नहीं है। बचपन में कबड्डी खेलने को लेकर सचिन के इतना जुनून था कि घरवालों को बिना बताये खेलने चले जाता और खेल में जब उसे चोट लग जाती तो भी वह घर आकर किसी को नहीं बताता था। कबड्डी के कारण तो वह 10वीं कक्षा में फेल भी हो गया। लेकिन कबड्डी का जुनून कभी कम नहीं हुआ। इस आज यही सचिन तंवर देश के पांच सबसे महंगे कबड्डी खिलाड़ियों में शामिल है। झुंझुनू जिले के बड़बर गांव में पले बढ़े सचिन तंवर इस बार प्रो कबड्डी लीग सीजन 8 में पटना पाइरेट्स की ओर से खेलेगा। पटना पाइरेट्स की फ्रेंचाइजी ने 84 लाख रूपए की बोली लगाकर सचिन को खरीदा है। जो ना केवल प्रो कबड्डी में सबसे महंगे पांच खिलाड़ियों में शामिल है। बल्कि पटना की टीम का भी सबसे महंगा खिलाड़ी है। सचिन का परिवार हरियाणा में महेंद्रगढ़ जिले के पाथेड़ा गांवका रहने वाला है। उनकी बुआ की शादी झुंझुनू जिले के बड़बर गांव में हुई थी।सचिन छोटी उम्र से बुआ के पास बड़बर में रहने लगा था। सचिन तंवर बड़बर गांव में ही पला-बढ़ा, यहीं पर पढ़ाई की और फिर कबड्डी खेलने चला गया। सचिन के मामा भी कबड्डी खिलाड़ी रह चुके है। अपने मामा और बड़ेभाई को देखकर सचिन कीकबड्डी में रुचि बढ़ती गई। वे धीरे-धीरे स्कूल की टीम में और फिर गांव मेंखेलने लगे। उन्होंने कभी अपने कबड्डी के जुनून को कम नहीं होने दिया। बचपन में स्कूल की प्रतियोगिताओं के साथ-साथ गांव में लगने वाले मेलों में सचिन ने कबड्डी में खूब दांव-पेंच लगाकर विरोधी टीमों को पछाड़ा है। इस दौरान कई बार स्कूल छोड़कर भी सचिन खेलने गया तो कई बार उसे खेलने के दौरान चोट भी लगी। लेकिन उसने अपने कबड्डी के जुनून को कभी कम नहीं होने दिया। सचिनअब प्रो कबड्डी के स्टार प्लेयर हैं। सचिन तंवर अब प्रो कबड्डी का स्टार प्लेयर है। जिसे लेने के लिए ऊंची ऊंची बोली लगती है। सचिन के बुआ का बेटा भाई मोहन ने बताया कि जब सचिन दो साल का था। तभी से उनके पास रहा है। करीब 15 साल तक सचिन को अपने पास रखा। फिर खेलने के लिए जयपुर चला गया। पहले तीन सीजन में सचिन गुजरात के लिए खेला। सीजन पांच में सचिन की बोली गुजरात फ्रेंचाइजी ने 36 लाख लगाई थी। फिर सीजन छह में सचिन को गुजरात फ्रेंचाइजी ने ही 56 लाख रूपए में खरीदा। सीजन सात में भी सचिन गुजरात फ्रेंचाइजी का हिस्सा रहा और 78 लाख रूपए सालाना में खेला। इस बार सचिन पटना के लिए सीजन 8 खेलेगा और उसकी बोली 84 लाख रूपए लगी है।सचिन तंवर ने भी अभी तक प्रो कबड्डी लीग में सिर्फ गुजरात के लिए ही मैच खेले हैं। इस सीजन की नीलामी में पटना पाइरेट्स ने 84 लाख की रकम में उन्हें खरीदा। पिछले सीजन गुजरात के लिए उन्होंने 84 रेड प्वॉइंट हासिल किए थे। परदीप नरवाल के जाने से रेडिंग का काफी जिम्मा अब सचिन तंवर कंधों पर भी होगा। उन्हें मोनू गोयत जैसे दिग्गज रेडर का साथ मिलेगा। आपको बता दें परदीप नरवाल प्रो कबड्डी के सबसे महंगे खिलाड़ी है। जिन्होंने पटना पाइरेट्स को लगातार तीन सीजन पीकेएल का खिताब जिताया। अब परदीप की जगह संदीप लेगा। ऐसे में पटना पाइरेट्स को खिताब जिताना संदीप के कंधों पर ही होगा। इस बार परदीप को यूपी योद्धा ने 1.65 करोड़ रूपए में खरीदा है। जो प्रो कबड्डी लीग की अब तक की सबसे बड़ी बोली और परदीप सबसे महंगे खिलाड़ी है। प्रो कबड्डी के खिलाड़ी सचिन तंवर को पिछली साल ही राज्य सरकार भी आउट आफ टर्म नौकरी देकर सम्मान से नवाज चुकी है। सचिन तंवर राजस्थान पुलिस में एसआई है। जिसकी पोस्टिंग जयपुर में है। सचिन तंवर फिलहाल जिंद में प्रो कबड्डी लीग की तैयारियों को लेकर प्रेक्टिस कर रहा है। इस बार दिसंबर में प्रो कबड्डी लीग सीजन 8 शुरू होने की संभावना है। प्रो कबड्डी खिलाड़ी सचिन तंवर के स्कूल और मेलों में मिले ट्रॉफी, मैडल, प्रमाण पत्र अभी भी बड़बर में उनके फूफा के घर बुआ के बेटे और रिश्ते में भाई मोहन के घर पर रखे हुए है। हालांकि अब बड़बर सचिन तंवर कबड्डी केसचिन बनकर उभरे है। सचिन का नाम आज पूरे भारत में गूंज रहा है। सचिन तंवर का बड़ा भाई दीपक भी कबड्डी का नेशनल खिलाड़ी है।सचिन के भाई दीपक को भी सरकार ने आउट ऑफ़ टर्म खेल कोटे से कांस्टेबल बनाया है। जो वर्तमान में चित्तौड़गढ़ में तैनात हैं। सचिन की मां राधा और पिता सतीशकुमार खेतीबाड़ी का काम करते है।

क्या आप तैयार हैं फर्स्ट इंप्रेशन के लिए?

आज के समय में सिर्फ कॉलेज की पढ़ाई पूरी कर लेना ही काफी नहीं है। जॉब पाने के लिए प्रोफेशनल एटिकेट्स की समझ-बूझ होना भी बहुत जरूरी है। इसी से आपकी एक इमेज भी बनती है। जब आप इंटरव्यूअर के साथ बैठते हैं, तो फर्स्ट इंप्रेशन बनने में महज कुछ सेकंड का समय ही लगता है। इतने ही वक्त में आपके बारे में एक राय बन जाती है। भले ही इस दौरान आप एक भी शब्द न बोलें, लेकिन इंटरव्यूअर आपकी ड्रेसिंग, ग्रूमिंग, चेहरे के भाव और बॉडी लैंग्वेज को देखकर बहुत कुछ समझ जाते हैं। ऐसे में बहुत जरूरी हो जाता है कि आप अच्छा इंप्रेशन बनाने को लेकर चौकस रहें।

'हाथ' देता है संदेश

एक-दूसरे से हाथ मिलाने के स्टाइल से भी आपके व्यक्तित्व और आत्मविश्वास को आंका जा सकता है। इसलिए हैंडशेक को कतई हल्के में न लें। किसी व्यक्ति से मुलाकात के दौरान चेहरे पर मुस्कान रखना और आंख मिलाकर बात करना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है मजबूती और गर्मजोशी से हाथ मिलाना। इतना ही नहीं, हाथ मिलाते समय आप सामने वाले को उत्साही भी दिखें। यह हैंडशेक सही ढंग से होना चाहिए, यानी न तो सामने वाले का हाथ बहुत ज्यादा कसकर पकड़ना चाहिए और न ही इसे ढीला छोड़ना चाहिए। आम तौर पर हैंडशेक के दौरान हाथ को दो-तीन बार हिलाना सही माना जाता है।

ड्रेसिंग-ग्रूमिंग पर ध्यान

प्रोफेशनल ड्रेसिंग और सोशल ड्रेसिंग मौके के हिसाब से उपयुक्त होना चाहिए। अगर आप पहली बार जॉब के लिए इंटरव्यू देने जा रहे हैं, तो आपको यह फर्क समझना होगा। इंटरव्यू के लिए जाने हेतु पुरुषों के लिए डार्क कलर का ट्राउजर और लाइट कलर की फॉर्मल शर्ट ही श्रेष्ठ होती है। हल्की-फुल्की धारीदार शर्ट भी पहन सकते हैं। ऐसे मौके पर पैटर्न या डिजाइन वाले कपड़े पहनने से बचें। महिलाएं स्ट्रेट-कट कुर्ता पहन सकती हैं। चाहें, तो साड़ी भी पहन सकती हैं। मगर ध्यान रहे, इसमें ज्यादा तड़क-भड़क न हो। अगर वेस्टर्न ड्रेस पहनना चाहें, तो स्ट्रेट-कट, वेल फिटिंग ट्राउजर पहन सकती हैं। ऐसे मौकों पर एक्सेसरी व मेकअप के मामले में जितना सिंपल रहें, उतना बेहतर होता है।

रेज्यूमे में कॉपी-पेस्ट नहीं!

रेज्यूमे आपकी प्रोफेशनल लाइफ का आईना होता है। इसलिए इसको लेकर हमेशा गंभीरता बरतें। कई युवा अपना रेज्यूमे बनाते समय किसी दोस्त के रेज्यूमे को लगभग जस-का-तस कॉपी-पेस्ट कर देते हैं। यह बिल्कुल गलत है। कारण यह कि हर व्यक्ति की शख्सियत और खासियत अलग होती है और इसी प्रकार हर जॉब के लिए अलग तरह के रेज्यूमे की जरूरत होती है। अगर कोई हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में काम कर रहा है, तो उसके रेज्यूमे को कॉपी-पेस्ट करके आप आईटी सेक्टर में जॉब के लिए आवेदन नहीं कर सकते। रेज्यूमे में आपकी अपनी शख्सियत झलकनी चाहिए। इसमें आपके अनुभव, काम, हॉबी, कॉलेज के प्रोजेक्ट्स आदि का उल्लेख हो। कोशिश करें कि इसमें स्पेलिंग या ग्रामर की गलतियां बिल्कुल न हों। ऐसी गलतियों से आपके बारे में नकारात्मक इंप्रेशन बनता है। रेज्यूमे बनाने के बाद इसे किसी सीनियर या जानकार को एक बार जरूर दिखा दें ताकि उसमें कोई कमी रह जाने पर उसे दूर किया जा सके।

जॉब पाने के बाद

अगर आपको जॉब मिल जाती है, तो वर्कप्लेस पर विनम्र और मिलनसार बने रहना कई मायनों में फायदेमंद होता है। शुरूआती दिनों में कोई शिकायत या दूसरों की आलोचना करने से बचें। अपना ध्यान सिर्फ काम पर लगाएं। जो जिम्मेदारी आपको दी गई है, उसे बेहतर तरीके से निभाने की कोशिश करें। काम के प्रति प्रो-एक्टिव रवैया दिखाकर आप बॉस की नजर में अच्छा इंप्रेशन बना सकते हैं। सोशल मीडिया पर आजकल लगभग सभी सक्रिय हैं। मगर ध्यान रहे, अपनी ऑनलाइन इमेज साफ-सुथरी रखना जरूरी है क्योंकि आपके बारे में इंप्रेशन बनाने में इसका भी योगदान होता है।

बाजार के बदलते मिजाज पर रखिए नजर

कंपनियों के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा के चलते मार्केट रिसर्च बड़े उद्योग के रूप में उभर रहा है। यहां आपके लिए जॉब के कई अवसर है।

बाजार में किसी भी उत्पाद की लॉन्चिंग से पहले कंपनियों के जेहन में एक बात जरूर होती है कि लोगों को उनका उत्पाद पसंद आएगा या नहीं। लोग क्या पसंद करते हैं? उत्पाद की बिक्री कैसी रहेगी.? इन सवालों के जवाब पाने के लिए कंपनियां बाकायदा मार्केट रिसर्च कराती हैं। फिर मार्केटिंग की रणनीति बनाती हैं। ऐसा कमोबेश सभी कंपनियां करती हैं। यही वजह है कि बीते कुछ वर्षों में मार्केट रिसर्च की अहमियत बढ़ी है क्योंकि बाजार का मिजाज रोज बदल रहा है। किसी भी उत्पाद की लॉन्चिंग में कंपनियों के करोड़ों रुपए दांव पर लगे होते हैं। इसलिए कंपनियां कोई रिस्क नहीं लेना चाहतीं। किसी प्रोडक्ट या सर्विस की लॉन्चिंग/ रीलॉन्चिंग से पहले वे मार्केट सर्वे का सहारा जरूरी लेती हैं। मार्केट रिसर्च सोसायटी ऑफ इंडिया की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, देश में रिसर्च इंडस्ट्री की वर्तमान विकास दर करीब 10 प्रतिशत है। इसमें आगे और विस्तार की उम्मीद बनी हुई है क्योंकि देश में कंज्यूमर कॉन्फिडेंस लगातार बढ़ रहा है।

सर्वे का बढ़ता स्कोप मार्केट रिसर्च कंपनियों की सेवाएं निजी कंपनियों के साथ अब राजनीतिक दल भी खूब लेने लगे हैं। आम तौर पर सभी राजनीतिक पार्टियां टिकट बंटवारे से लेकर चुनावी व्यूह रचना और घोषणापत्र तक मार्केट रिसर्च के आधार पर ही तैयार करती हैं। चुनाव पूर्व सर्वे के जरिये जनता का मूड जानने की कोशिश भी की जाती है। टीवी चैनल्स और अखबारों में छपने वाले ओपिनियन पोल और एक्जिट पोल की लोकप्रियता से तो सभी वाकिफ हैं।

कैसे होती है मार्केट रिसर्च?

मार्केट रिसर्चर या एनालिस्ट का कार्य मुख्य रूप से सर्वे और रिसर्च से जुड़ा है। अपने तरीकों से ये प्रोफेशनल बाजार का मूड टटोलने की कोशिश करते हैं। दरअसल, यह भी एक मार्केटिंग रणनीति है। उत्पाद की लॉन्चिंग से पहले सर्वे कराने से यह पता चलता है कि प्रतिस्पर्धा में कौन-कौन-से उत्पाद हैं, उनकी कीमत क्या है, बिक्री क्या है? कंपनी की मार्केटिंग रणनीति क्या है? बाजार में नए उत्पान की बिक्री का स्कोप क्या है? साथ ही, कंपनियां यह भी जानना चाहती हैं कि लोग क्या पसंद करते हैं, उन्हें क्या नया पसंद आएगा आदि। इन सभी सवालों का फीडबैक जुटाने के लिए मार्केट रिसर्चर एक क्वैश्चनेयर नुमा फॉर्म तैयार करते हैं। फिर कंज्यूमर सर्वे कराते हैं। ये सर्वे कई तरह से किए जाते हैं, जैसे टेलिफोन या इंटरनेट के जरिये या फिर ग्राउंड सर्वे। बाद में रिसर्च कंपनियां क्लाइंट कंपनी के लिए एक रिपोर्ट या प्रेजेंटेशन तैयार करती हैं। मार्केट रिसर्चर के इन्हीं सुझावों के आधार पर आखिरकार कंपनियां अपने उत्पाद या सेवा की लॉन्चिंग करती हैं।

पर्सनल स्किल

मार्केट रिसर्च के क्षेत्र में काम करने के लिए आपको डाटा एनालिसिस का ज्ञान रखना बहुत जरूरी है। आपकी कम्युनिकेशन स्किल भी अच्छी होनी चाहिए। इंग्लिश पर अच्छी पकड़ भी होना जरूरी है। बेहतर सेल्समैनशिप और क्रिएटिव क्वॉलिटी भी रखनी होगी। साथ ही, अगर आप टीमवर्क की भावना और काम के प्रति लगन रखते हैं, तो बेझिझक मार्केट रिसर्च के क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं।

जॉब प्रोफाइल

मार्केट रिसर्च का कार्य मुख्य तौर पर दो हिस्सों में बंटा है : फील्ड वर्क और रिसर्च वर्क। इसलिए यहां अलग अलग पृष्ठभूमि के लोगों के लिए जॉब के अवसर भी खूब हैं। रिसर्च एजेंसीज में आप वाइस प्रेसिडेंट ऑफ मार्केटिंग रिसर्च, रिसर्च डायरेक्टर, असिस्टेंट डायरेक्टर, प्रोजेक्ट मैनेजर, डाटा प्रोसेसिंग स्पेशलिस्ट, एनालिस्ट, फील्ड वर्क डायरेक्टर, फील्ड सुपरवाइजर आदि पदों पर जॉब पा सकते हैं।

कहां हैं जॉब्स?

मौजूदा समय में कई देशी-विदेशी कंपनियां आपको इस फील्ड में जॉब दे सकती हैं। बड़ी कंपनियों में आपको विदेश में भी काम करने का मौका मिल सकता है। इसके अलावा केंद्र व राज्य सरकारों के तमाम विभागों में भी मार्केट रिसर्चर की काफी मांग है। टेलीकॉम कंपनियों में भी जॉब की संभावनाएं हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म और कंसल्टेंसी का विकल्प भी खुला है। अगर चाहें, तो एंटरप्रेन्योर बनकर खुद की रिसर्च एजेंसी भी खोल सकते हैं।

शैक्षणिक योग्यताएं

मार्केट रिसर्च के क्षेत्र में काम की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता ग्रेजुएशन है। अगर करियर बनाना चाहते हैं, तो बीबीए या मार्केटिंग में एमबीए करके यहां एंट्री लें। साइकोलॉजी, सोश्योलॉजी या एंथ्रोपोलॉजी में ग्रेजुएट भी यहां करियर बना सकते हैं। कम्प्यूटर साइंस में ग्रेजुएट के लिए भी यहां करियर स्कोप है। कई संस्थान मार्केट रिसर्च के लिए डिप्लोमा और पीजी डिप्लोमा कोर्स भी ऑफर कर रहे हैं। वहीं, फील्ड वर्क के लिए न्यूनतम योग्यता 12वीं पास है।

सैलरी कितनी?

रिसर्च कंपनियों में हर तरह के प्रोफेशनल्स को काफी आकर्षक सैलरी मिलती है। रिसर्चर या एनालिस्ट लेवल पर शुरूआत में ही 30 से 40 हजार रुपए महीना आसानी से मिल जाते हैं। अनुभव बढ़ने पर यह सैलरी 70 हजार से 1 लाख रुपए के आसपास भी पहुंच सकती है। फील्ड वर्क से जुड़े लोग भी शुरूआत में 10 से 15 हजार रुपए महीना कमा सकते हैं।

ऑनलाइन एग्जाम से डरें नहीं, अपनाएं ये टिप्स

बैंकों में नियुक्ति के लिए परीक्षाएं कराने वाली प्रमुख एजेंसियां, जैसे आईबीपीएस, एसबीआई और आरबीआई भी कम्प्यूटराइज्ड ऑनलाइन फॉर्मेट में परीक्षा लेना या तो शुरू कर चुकी हैं या ऐसा करने की तैयारी में हैं। ऑनलाइन फॉर्मेट अपनाने पर परीक्षार्थियों और अकादमिक विशेषज्ञों दोनों की ओर से मिश्रित प्रतिक्रियाएं आई हैं। इस बात में कोई शक नहीं कि कम्प्यूराइज्ड एग्जाम के कई फायदे हैं मगर कई लोगों ने इस आधार पर इसका विरोध भी किया है कि इससे कम्प्यूटर टेक्नोलॉजी तक पहुंच और उसमें सिद्धहस्तता के आधार पर विभिन्न परीक्षार्थियों में भेद किया जाता है।

जो युवा इस टेक्नोलॉजी से कम परिचित हैं, वे अन्य मामलों में योग्य होने हुए भी पिछड़ सकते हैं। कई ऐसे युवा भी हो सकते हैं, जो यूं तो कम्प्यूटर का प्रयोग खूब करते हैं लेकिन परीक्षा ऑनलाइन देने के नाम पर असहज हो जाते हैं। यदि आप भी उन लोगों में से हैं, जो ऑनलाइन बैंकिंग एग्जाम को लेकर चिंतित हैं, तो हम आपके लिए कुछ टिप्स दे रहे हैं, जिनसे आपको निश्चित ही लाभ होगा। ऑनलाइन परीक्षा की तकनीक पर चर्चा करने से पहले यह जानना भी जरूरी है कि आखिर क्यों बैंकिंग परीक्षाओं को ऑनलाइन करने का फैसला किया गया।

ऑनलाइन का है भविष्य

जो भी हो, ऑनलाइन परीक्षाओं के लाभ इसकी हानियों से ज्यादा हैं और भविष्य तो कम्प्यूटराइज्ड परीक्षाओं का ही है। आगे चलकर तमाम परीक्षाएं इसी फॉर्मेट में होने वाली हैं, इसमें कोई संदेह नहीं। अभी तक पेपर-पेन वाली परीक्षाएं देते आए परीक्षार्थियों को शुरू-शुरू में ऑनलाइन परीक्षा थोड़ी असहज लग सकती है लेकिन यह कोई हिमालय लांघने जैसा काम भी नहीं है। वैसे भी, सभी बैंकिंग प्रोफेशनल्स से यह अपेक्षा तो की ही जाती है कि उन्हें कम्प्यूटर का बेसिक ज्ञान हो। तो फिर परीक्षा भी कम्प्यूटर पर ही देने में हिचक कैसी?

परीक्षा के माहौल से परिचित हों

कम्प्यूटराइज्ड बैंक परीक्षाओं की आलोचना का एक आधार यह रहा है कि परीक्षार्थी प्रश्नों के उत्तर देने में सहज नहीं हो पाते और समय पर पेपर पूरा नहीं कर पाते। इस समस्या का समाधान खुद परीक्षार्थी के पास ही है। जो युवा बैंकिंग एग्जाम देने का इरादा रखते हैं, वे परीक्षा के इस नए माहौल से खुद को अभ्यस्त करना शुरू कर दें। इससे आप एग्जाम फॉर्मेट, स्टाइल और प्रश्नों की शैली से परिचित हो जाएंगे।

टेक्नोलॉजी का लाभ उठाएं

टेक्नोलॉजी हमेशा से भविष्य का रास्ता बताती आई है। ऑनलाइन बैंक पीओ एग्जाम भी इससे अलग नहीं है। टेक्नोलॉजी से समय और मेहनत की बचत होती है, यह तो सब जानते हैं। सो आप भी इस बात पर फोकस करें कि आप टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल अपने फायदे के लिए कैसे कर सकते हैं और कैसे कम समय व कम मेहनत के साथ पेपर हल कर सकते हैं।

अपनी ताकत और कमजोरी पहचानें

एक बार आप ऑनलाइन परीक्षा की टेक्नोलॉजी और फॉर्मेट से परिचित हो जाएं, तो आप अपनी ताकत और कमजोरी को पहचान सकते हैं। फिर आप अपनी कमजोरियों को दूर करने पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। मसलन, हो सकता है कि आप कम्प्यूटर पर मैथ्स के प्रश्न तो आसानी से हल कर लें लेकिन स्क्रीन पर इंग्लिश लैंग्वेज के प्रश्न पढ़ने और उनके उत्तर देने में आपको दिक्कत हो रही हो। ऐसे में आप मैथ्स के मुकाबले इंग्लिश की तैयारी पर अधिक ध्यान दे सकते हैं।

ऑनलाइन मॉक टेस्ट

कम्प्यूटराइज्ड आरबीआई बैंक एग्जाम्स के आने के बाद से कई कोचिंग सेंटर्स तथा टेस्ट प्रेप वेबसाइट्स ऑनलाइन मॉक टेस्ट कराती हैं। ये मॉक टेस्ट बैंकिंग एग्जाम के सिलेबस, फॉर्मेट तथा प्रश्नों की शैली को अच्छी तरह समझने के बाद तैयार की जाती हैं। इसलिए इन्हें हल करने पर आप वास्तविक परीक्षा के अनुभव से अवगत हो सकते हैं। इससे नियत समय में पूरा पेपर हल करने में भी आपको मदद मिलेगी।

शॉर्टकट और ट्रिक्स

बैंकिंग एग्जाम में बैठने वाले परीक्षार्थी मैथ्स और क्वॉन्टिटेटिव एबिलिटी के प्रश्न हल करने के लिए कई तरह के शॉर्टकट तथा ट्रिक्स का इस्तेमाल करते आए हैं। ऑनलाइन कम्प्यूटराइज्ड टेस्ट में भी आप ऐसा कर सकते हैं। सच तो यह है कि ऑनलाइन टेस्ट दे चुके कई परीक्षार्थियों का कहना है कि उन्हें इस फॉर्मेट में पहले से कहीं ज्यादा शॉर्टकट और ट्रिक्स हाथ लगी हैं! आप भी इन शॉर्टकट्स और ट्रिक्स को जानें और इन्हें आजमाएं।

महिंद्रा एंड महिंद्रा ने अपनी प्रीमियम एसयूवी एक्सयूवी700 के दो नये संस्करण पेश किए

मुंबई। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने मंगलवार को अपने प्रीमियम स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहन एक्सयूवी700 के दो नये संस्करण पेश करने की घोषणा की जो डीजल इंजन के साथ मैनुअल और ऑटोमैटिक दोनों ट्रांसमिशन में उपलब्ध होंगे।

एमएंडएम लिमिटेड ने एक विज्ञप्ति में कहा कि सात सीटों वाले दो नए संस्करण - एएक्स7 लग्जरी एमटी और एएक्स7 लग्जरी एटी प्लस एडब्ल्यूडी (ऑल-व्हील ड्राइव) की कीमत क्रमशः 19.99 लाख रुपये और 22.89 लाख रुपये है।

विज्ञप्ति के अनुसार ये कीमतें पहली 25,000 बुकिंग के लिए लागू होंगी, जो सात अक्टूबर से शुरू होने वाली है। कंपनी एक्सयूवी700 को दो सीरीज- एमएक्स और एडरिनोएक्स (एएक्स) में पेश करती है।

फेसबुक डाउन होने से मार्क जुकरबर्ग ने एक दिन में गंवाए 45,555 करोड़ रुपए, अमीरों की लिस्ट में नीचे आए

वाशिंगटन। दुनिया भर में फेसबुक, इंस्टाग्राम और वॉट्सऐप की सेवाएं बाधित होने से दुनियाभर में हाहाकार मच गया। इससे फेसबुक के शेयरों में भारी गिरावट आई और कंपनी के सीईओ मार्क जुकरबर्ग की नेटवर्थ एक दिन में 6.11 अरब डॉलर यानी 45,555 करोड़ रुपए की गिरावट आई। वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में एक स्थान फिसलकर पांचवें नंबर पर आ गए हैं। फेसबुक के शेयरों में सोमवार को 4.9 फीसदी की गिरावट आई। इस तरह कंपनी का शेयर सितंबर मध्य के बाद से करीब 15 फीसदी गिर चुका है। Bloomberg Billionaires Inde& के मुताबिक फेसबुक के शेयरों में गिरावट से जुकरबर्ग की नेटवर्थ 6.11 अरब डॉलर गिरकर 122 अरब डॉलर रह गई है। कुछ दिन पहले वह 140 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ अमीरों की लिस्ट में चौथे नंबर पर पहुंच गए थे। लेकिन अब वह फिर से बिल

गेट्स से पिछड़ गए हैं। गेट्स 124 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ इस सूची में चौथे नंबर पर हैं।

6 घंटे तक डाउन रहे ऐप

भारतीय समयानुसार रात 10 बजे के आसपास दुनिया भर में फेसबुक की सभी सर्विसेज डाउन थीं। फेसबुक की सर्विसेज के अलावा इंस्टाग्राम, वॉट्सऐप, अमेरिकी टेलीकॉम कंनियां जैसे Verizon, At&t और T Mobile की सर्विस भी घंटों तक ठप रहीं। हालांकि तकरीबन 6 घंटे तक डाउन रहने के बाद इन ऐप्स ने फिर से आंशिक रूप से काम करना शुरू कर दिया है।

व्यवधान के लिए खेदः जुकरबर्ग

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने कहा है कि फेसबुक, इंस्टाग्राम, वॉट्सऐप और मैसेंजर फिर से शुरू हो गए हैं। व्यवधान के लिए खेद। मुझे मालूम है जिन लोगों की आप केयर करते हैं, उनसे जुड़े रहने के लिए आपको हमारी सर्विसेज पर कितना भरोसा है।

ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंचे तेल के दाम

नई दिल्ली। तेल उत्पादक देशों के शीर्ष संगठन ओपेक के मांग के अनुरूप तेल उत्पादन नहीं बढ़ाने से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के 7 वर्ष के उच्चतम स्तर 81 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचने से मंगलवार को देश में पेट्रोल 25 पैसे और डीजल 30 पैसे प्रति लीटर महंगा हो गया। इससे देश के कुछ शहरों में पेट्रोल पहली बार 111 रुपए प्रति लीटर और डीजल 100 रुपए प्रति लीटर के पार पहुंच गया।

लगातार चार दिनों की तेजी के बाद कल इन दोनों की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया था लेकिन आज फिर से इसमें बढ़ोतरी की गई जिससे राजधानी दिल्ली में इनकी कीमतें अब तक के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई।

इस वृद्धि के बाद राजधानी दिल्ली में पेट्रोल अब तक के रिकॉर्ड उच्चतम स्तर 102.64 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल भी सर्वकालिक उच्चतम स्तर 91.07 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया। पिछले एक सप्ताह में पेट्रोल 1.24 पैसे महंगा हो चुका है। डीजल भी 10 दिनों में से 2.45 रुपए प्रति लीटर चढ़ चुका है।

ओपेक देशों की कल बैठक हुई जिसमें प्रतिदिन चार लाख बैरल तेल उत्पादन बढ़ाने का निर्णय लिया गया जबकि कोरोना के बाद अब वैश्विक स्तर पर इसकी मांग में जबरदस्त तेजी दिख रही है। इस निर्णय के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में जबरदस्त तेजी दिखी। कल अमेरिकी बाजार में कारोबार बंद होने पर ब्रेंट क्रूड 2.28 डॉलर प्रति बैरल की तेजी लेकर 81.26 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी क्रूड 2.07 डॉलर की बढ़त के साथ 77.62 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, दिल्ली में

देश के चार बड़े महानगरों में आज पेट्रोल और डीजल के दाम इस प्रकार रहेः

शहर का नाम	पेट्रोल (रुपए/लीटर)	डीजल रुपए/लीटर)
दिल्ली	102.64	91.07
मुंबई	108.68	98.80
चेन्नई	100.23	95.59
कोलकाता	103.36	94.17

पेट्रोल 102.64 रुपए प्रति लीटर और डीजल 91.07 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया। इस बढोतरी के बाद भी दिल्ली एनसीआर के नोएडा में पेट्रोल 99.94 रुपए प्रति लीटर और डीजल 91.68 रुपए प्रति लीटर पर है। अभी भोपाल में पेट्रोल 111.14 रुपए प्रति लीटर और डीजल 100.05 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की रोजाना समीक्षा होती है और उसके आधार पर हर दिन सुबह छह बजे से नई कीमतें लागू की जाती हैं।

सितंबर तिमाही में इंडसइंड बैंक ने ऋण में 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के ऋणदाता इंडसइंड बैंक ने मंगलवार को कहा कि उसने 30 सितंबर को समाप्त चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में अग्रिमों में 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की और यह 2,21,821 करोड़ रुपये रहा। बैंक ने एक नियामकीय सूचना में कहा कि पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के अंत में शुद्ध अग्रिम 2,01,247 करोड़ रुपये था।

समीक्षाधीन तिमाही में बैंक की जमा राशि भी 21 प्रतिशत (साल-दर-साल) बढ़कर 2,75,486 करोड़ रुपये हो गयी, जो एक साल पहले इसी अवधि में 2,28,279 करोड़ रुपये थी। जुलाई-सितंबर 2021 तिमाही में इंडसइंड बैंक की कम लागत वाली जमा राशि - चालू खाता और बचत जमा (सीएएसए) - कुल देनदारियों का 42.1 प्रतिशत रही।

एक्सॉनमोबिल ने अपनी सिंथेटिक इंजन ऑयल रेंज का विस्तार किया, मोबिल सुपर मोटो™ रेंज के टू-व्हीलर इंजन ऑयल्स को अपग्रेड किया

बेंगलुरु। एक्सॉनमोबिल लुब्रिकेंट्स प्राइवेट लिमिटेड ने आज इंजन ऑयल्स की अपनी अपग्रेडेड मोबिल सुपर मोटोज़रूरेंज को लॉन्च करने की घोषणा की। इससे लोगों के लिए अपने टू व्हीलर्स का बेहतरीन स्थिति में रखरखाव आसान हो जाएगा। यह लॉन्चरू ऐसे समय में की गई है, जब लोग कोविड-19 महामारी के प्रभावों का लगातार अनुभव कर रहे हैं। इससे मूल्य और सहूलियत की जरूरत बढ़ गई है। एक्सॉनमोबिल लुब्रिकेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ दीपांकर बनर्जी ने लॉन्च पर कहा, "भारत का टु व्हीॉलर सेगमेंट दुनिया में सबसे बड़ा है। महामारी के दौरान लोग अपने व्यक्तिगत वाहनों से ही आने-जाने को प्राथमिकता देने लगे थे, तो यह सेगमेंट और भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। टु व्हीलर कहीं भी आने-जाने का किफायती साधन उपलब्ध कराते हैं। हमारे नए मोबिल सुपर मोटो रेंज को सिंथेटिक टेक्नोएलॉजी से बनाया गया है। इससे इंजन की लाइफ लंबी होती है और यह इंजन को खराब होने से बचाता है। इससे लोगों को अपने टु व्हीबलर्स को बेहतर स्थिति में रखना आसान होता है और उनके वाहनों की कीमत भी बढ़ जाती है।"

मोटरसाइकिल और स्कूटर्स के नए मोबिल सुपर मोटो™ रेंज के इंजन ऑयल को एपीआई एसएन में अपग्रेड किया गया है। ये टू व्हीलर्स के लिए सबसे बेहतरीन परफॉर्मेंस स्टैंडर्ड है। इन इंजन ऑयल के निर्माण में मोबिल का 150 ज्यादा वर्षों का लुब्रिकेशन अनुभव शामिल है। 2008* से सिंथेटिक इंजन ऑयल में मोबिल को पूरी दुनिया में लीडर के रूप में पहचान मिली है। यह सभी प्रॉडक्ट्स नए बीएसVI इंजन के अनुकूल है। मोबिल सुपर मोटोज़रूरेंज मोबिल बाइक केयर वर्कशॉप्स, मोबिल रिटेल स्टोर्स और अमेज़न इंडिया, फ्लिपकार्ट और गैरेज वर्क्स जैसे प्रमुख ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्सब पर उपलब्धक है। मोबिल लुब्रिकेंट्स और मैकेनिक्स प्रमाणित मोबिल लुब्रिकेंट टेक्नोलॉजी से लाखों वाहनों को बेहतरीन परफॉर्मेंस देने के काबिल बना रहे हैं। ये मोबिल ऑयल भारत में वाहनों की जरूरत की कसौटी पर खरे उतरते हैं।

आईएफसी ने वेंडी वर्नर को भारत में अपना प्रमुख नियुक्त किया

मुंबई अंतरराष्ट्रीय वित्त निगम (आईएफसी) ने मंगलवार को वेंडी वर्नर को भारत में अपना नया प्रमुख नियुक्त करने की घोषणा की।

वेंडी इस पद पर जून झांग की जगह लेंगी, जो आईएफसी के साथ लंबे करियर के बाद हाल ही में सेवानिवृत्त हुए थे।

वेंडी नयी दिल्ली स्थित कार्यालय से भारत के पोर्टफोलियो के विकास और विविधीकरण पर ध्यान देंगी जिससे इस क्षेत्र में आईएफसी के प्रभाव को बढ़ाने में मदद मिले।

जून 2021 में समाप्त हुए वित्त वर्ष में भारत, 1.7 अरब डॉलर की प्रतिबद्धता हासिल करने के साथ विश्व बैंक समूह के विकास संबंधी ऋणदाता के लिए विश्व स्तर पर सबसे बड़ा ग्राहक देश है। 1956 में अपनी पहली भागीदारी के बाद से, आईएफसी ने 500 से अधिक घरेलू कंपनियों में 24 अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है।

तोमर ने असम में शहद प्रसंस्करण इकाई का उद्घाटन किया, कृषि से जुड़ी गतिविधियों को बढ़ावा देने पर जोर

नई दिल्ली। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने असम के कामरूप जिले के मिर्जा कस्बे में शहद प्रसंस्करण इकाई का उद्घाटन किया और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, बढ़ावा देने तथा किसानों की आय बढ़ाने के लिए संबद्ध कृषि गतिविधियों के विकास पर जोर दिया। राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद मिशन (एनबीएचएम) द्वारा राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन बोर्ड (एनबीबी) और साल्ट रेंज फूड्स प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से इस स्वचालित शहद प्रसंस्करण इकाई की स्थापना की गई है। इस मौके पर मंत्री ने कहा कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर मधुमक्खी पालन को बढ़ावा दे रही है और इसके लिए 500 करोड़ रुपए भी अलग रखे हैं। सरकार चाहती है कि मधुमक्खी पालकों को उनके उत्पादों के लिए भारत और विदेशों में अच्छा बाजार मिले। एक सरकारी बयान में तोमर के हवाले से कहा गया है कि इसके लिए गुजरात के आणंद में मधुमक्खी पालकों के हित में एक अंतरराष्ट्रीय स्तर की गुणवत्ता परीक्षण प्रयोगशाला स्थापित की गई है। लगभग 13 उपग्रह परीक्षण प्रयोगशालाओं को मंजूरी दी

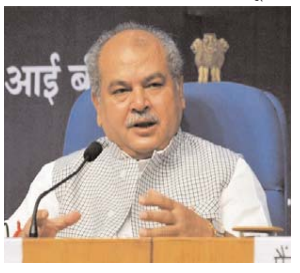

गई है। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर देश भर में ऐसी 100 प्रयोगशालाएं स्थापित की जाएंगी। तोमर ने आगे कहा कि देश में 86 प्रतिशत छोटे किसानों के लिए मधुमक्खी पालन एक बेहतर रोजगार का अवसर हो सकता है क्योंकि उनमें से कुछ के पास बहुत कम जमीन है और कुछ के पास बिल्कुल भी जमीन नहीं है और वे मजदूर के रूप में काम करते हैं। मंत्री ने यह भी कहा कि केंद्र कृषि अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं लागू कर रहा है।

कृषि के साथ-साथ मधुमक्खी पालन जैसी संबद्ध कृषि गतिविधियों को विकसित करना महत्वपूर्ण है ताकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत हो, रोजगार के अवसर पैदा हों और किसान बेहतर आय अर्जित कर सकें। तोमर ने पूर्वोत्तर के लोगों से केंद्र की योजनाओं, खासकर एक लाख करोड़ रुपए के कृषि बुनियादी ढांचा कोष का लाभ उठाने की अपील की। राज्य में मधुमक्खी पालन में हुई प्रगति पर असम के कृषि मंत्री अतुल बोरा ने कहा कि वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन असम में किसानों की आय दोगुनी करने का एक आशाजनक क्षेत्र है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार असम में कृषि क्षेत्र के विकास के लिए केंद्र के साथ मिलकर काम कर रही है।

सितंबर तिमाही में इंडसइंड बैंक ने ऋण में 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की

नई दिल्ली। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने असम के कामरूप जिले के मिर्जा कस्बे में शहद प्रसंस्करण इकाई का उद्घाटन किया और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, बढ़ावा देने तथा किसानों की आय बढ़ाने के लिए संबद्ध कृषि गतिविधियों के विकास पर जोर दिया। राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद मिशन (एनबीएचएम) द्वारा राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन बोर्ड (एनबीबी) और साल्ट रेंज फूड्स प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से इस स्वचालित शहद प्रसंस्करण इकाई की स्थापना की गई है। इस मौके पर मंत्री ने कहा कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर मधुमक्खी पालन को बढ़ावा दे रही है और इसके लिए 500 करोड़ रुपए भी अलग रखे हैं। सरकार चाहती है कि मधुमक्खी पालकों को उनके उत्पादों के लिए भारत और विदेशों में अच्छा बाजार मिले। एक सरकारी बयान में तोमर के हवाले से कहा गया है कि इसके लिए गुजरात के आणंद में मधुमक्खी पालकों के हित में एक अंतरराष्ट्रीय स्तर की गुणवत्ता परीक्षण प्रयोगशाला स्थापित की गई है। लगभग 13 उपग्रह परीक्षण प्रयोगशालाओं को मंजूरी दी गई है।

लिशियस ने निवेश के नये दौर में 5.2 करोड़ डॉलर जुटाए, यूनिकॉर्न बनी

नई दिल्ली। ताजा मांस और सीफूड बेचने वाली टेक स्टार्टअप लिशियस ने मंगलवार को कहा कि उसने आईआईएफएल एएमसी सहित निवेशकों से 5.2 करोड़ डॉलर (करीब 387 करोड़ रुपये) जुटाए हैं और यूनिकॉर्न का दर्जा हासिल कर लिया है।

बेंगलुरु की कंपनी ने एक बयान में कहा कि वह आईआईएफएल एएमसी के नेतृत्व में 5.2 करोड़ डॉलर का वित्त जुटाने के साथ भारत की पहली डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर (डी2सी) यूनिकॉर्न बन गयी है। उसने निवेश के मौजूदा दौर सीरीज जी में यह वित्त जुटाया। कारोबार की भाषा में यूनिकॉर्न एक ऐसी निजी स्टार्टअप कंपनी

को कहते है जिसका मूल्य एक अरब डॉलर को पार कर जाता है।

कंपनी ने कहा कि उसने आईआईएफएल एएमसी के लेट स्टेज टेक फंड के नेतृत्व में 5.2 करोड़ डॉलर का वित्त हासिल करने के बाद एक अरब डॉलर का बाजार मूल्यांकन हासिल किया है।

इससे पहले जुलाई में, लिशियस ने निवेश के सीरीज एफ दौर में टेमासेक सहित कई निवेशकों से 19.2 करोड़ डॉलर जुटाए थे।

कंपनी के सह-संस्थापक विवेक गुप्ता और अभय हंजुरा ने कहा, भले ही डी2सी क्षेत्र के लिए वित्त पोषण में काफी वृद्धि हुई है, एफएमसीजी को अब भी सबसे आकर्षक श्रेणी नहीं माना जाता है। हम उम्मीद करते हैं कि लशियस के यूनिकॉर्न का दर्जा हासिल करने के बाद स्थिति बदल जाएगी।

आईएमएफ को विश्व बैंक में चीन की रैंकिंग से जुड़ी गड़बड़ी की जांच की जानकारी दी गई

वाशिंगटन। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने कहा कि उसके निदेशक मंडल को विश्व बैंक के डूइंग बिजनेस रिपोर्ट में चीन की रैंकिंग से जुड़ी गड़बड़ी की जांच करने वाली कानूनी सेवा प्रदाता कंपनी के वकीलों ने इस संबंध में जानकारी दी है। जांच में पाया गया है कि आईएमएफ की मौजूदा प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा और अन्य अधिकारियों ने विश्व बैंक के कर्मचारियों पर चीन एवं दूसरे देशों की व्यापार रैंकिंग को प्रभावित करने वाले डेटा को बदलने के लिए दबाव डाला। आईएमएफ ने कहा कि 190 देशों की ऋण एजेंसी के निदेशक मंडल ने विश्व बैंक की ÷डूइंग बिजनेस

2018÷ रिपोर्ट को लेकर कानूनी सेवा प्रदाता कंपनी विल्मरहेल की जांच में उठाए गए मुद्दों की मौजूदा समीक्षा के तहत उसके प्रतिनिधियों के साथ मुलाकात की। डूइंग बिजनेस रिपोर्ट (व्यापार करने में आसानी से जुड़ी रिपोर्ट) में देशों के कर बोझ, नौकरशाही संबंधी बाधाओं, नियामक प्रणाली और अन्य व्यावसायिक स्थितियों का मूल्यांकन करने के बाद उन्हें रैंकिंग दी जाती थी और इस रैंकिंग का इस्तेमाल कुछ देश अपने यहां निवेश को आकर्षित करने के लिए करते रहे हैं।

आईएमएफ ने एक बयान में कहा कि मामले की समीक्षा के तहत उसका निदेशक मंडल जल्द ही जॉर्जीवा से मिलेगा। बयान में कहा गया कि निदेशक मंडल रिपोर्ट में उठाए गए मुद्दों की ÷पूरी गहराई, निष्पक्षता और समयबद्ध तरीके से समीक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।÷ जांच की वजह से विश्व बैंक ने सालाना डूइंग बिजनेस रिपोर्ट का प्रकाशन करना बंद कर दिया। घटना के बाद जॉर्जीवा से इस्तीफे की मांग की जा रही है।

कोविड की वजह से 2020-22 के बीच वैश्विक विमानन उद्योग को 201 अरब डॉलर का नुकसान होगा: आईएटीए

नई दिल्ली। वैश्विक विमानन निकाय आईएटीए के महानिदेशक विली वॉल्श ने कहा कि कोविड-19 संकट के कारण वैश्विक विमानन उद्योग को 2020 से 2022 के बीच 201 अरब डॉलर का नुकसान होगा, हालांकि 2023 में वह वापस मुनाफे में आ सकता है। वॉल्श ने सोमवार को इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (आईएटीए) की 77वीं वार्षिक आम बैठक में अपने भाषण के दौरान कहा, 'हम संकट के सबसे गहरे स्तर से निकल चुके हैं। हालांकि गंभीर मुद्दे बने हुए हैं, वापसी का रास्ता दिखने लगा है।'

उन्होंने कहा कि कोविड????-19 संकट की शुरुआत के लगभग दो साल बाद, विभिन्न सरकारों द्वारा लगाए गए व्यापक सीमा प्रतिबंधों का कोई औचित्य नहीं है। वॉल्श ने कहा, 'हम वित्त में सुधार देख रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'हम उम्मीद करते हैं कि 2021 में नुकसान लगभग 52 अरब डॉलर होगा जबकि 2020 में 138 अरब डॉलर का भारी भरकम नुकसान हुआ था। 2022 में घाटा और कम होकर लगभग 12 अरब डॉलर हो जाएगा। 2023 में मुनाफे में लौटने से पहले कुल मिलाकर, कोविड-19 संकट से विमानन उद्योग को 201 अरब डॉलर का नुकसान होगा।'

वहीं आईएटीए के उप महानिदेशक कॉनराड क्लिफोर्ड ने सोमवार को कहा

कि अंतर्राष्ट्रीय हवाई यात्रा अब भी संकटग्रस्त है और 2019 के स्तर की तुलना में 2021 में वह सिर्फ 22 प्रतिशत होगी। उन्होंने आईएटीए की वार्षिक आम बैठक के दौरान यहां मीडिया से कहा, 'सामंजस्यपूर्ण सीमा उपायों, प्रतिबंधों और प्रक्रियाओं की कमी (अंतर्राष्ट्रीय) यात्रा को फिर से शुरू ना कर पाने का एक प्रमुख कारण है।' विमानन उद्योग के सूत्रों के अनुसार, इस समय भारत से कोविड से पहले की तुलना में लगभग 20 प्रतिशत अंतरराष्ट्रीय उड़ानें संचालित की जा रही हैं। वहीं कोविड से पहले की तुलना में देश में इस समय करीब 70 प्रतिशत घरेलू उड़ानें संचालित की जा रही हैं। महामारी के कारण भारत में निर्धारित अंतरराष्ट्रीय यात्री उड़ानें 23 मार्च, 2020 से निलंबित हैं। हालांकि, भारत ने लगभग 28 देशों के साथ 'एयर बबल' व्यवस्था के तहत विशेष उड़ानों की मंजूरी दी है।

पंजाब किंग्स के पास अब भी प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने का मौका

दुबई (एजेंसी)।

लोकेश राहुल के नेतृत्व वाली पंजाब किंग्स के पास अब भी आईपीएल 2021 के प्लेऑफ में पहुंचने का मौका है। पंजाब की टीम को इसके लिए चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ होने वाला अपना आखिरी लीग मुकाबला बड़े अंतर से जीतना होगा और उम्मीद करनी होगी कि अन्य टीमों का नतीजा भी उसके पक्ष के हिसाब से रहे।

पंजाब को रविवार को रॉयल चेलेंजर्स बेंगलोर के हाथों हार का सामना करना पड़ा जिसके कारण उसके प्लेऑफ में जाने के अभियान को बड़ा झटका लगा। हालांकि, पंजाब की टीम अब 12 अंकों से ज्यादा हासिल नहीं कर सकती और उसे प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने पर दूसरे के ऊपर निर्भर रहना होगा।

पंजाब को अपना आखिरी मैच जीतने के अलावा यह उम्मीद करनी होगी कि अन्य कोई टीम 12 अंक से ज्यादा हासिल नहीं कर सके। ऐसे में मुंबई इंडियंस और राजस्थान रॉयल्स को अपने शेष दो में एक-एक मुकाबले जीतने होंगे जबकि कोलकाता नाइट राइडर्स को हार का सामना करना होगा।

पंजाब के लिए बेहतर स्थिति यह रहेगी कि मुंबई राजस्थान के खिलाफ जीत हासिल करे लेकिन उसे हैदराबाद के खिलाफ हार मिले जबकि राजस्थान मुंबई के खिलाफ हारे और कोलकाता को हराए।

अगर ऐसी स्थिति बनी तो चार टीमों के 12-12 अंक होंगे और क्वालीफिकेशन का निर्णय नेट रन रेट के जरिए होगा। इस वक्त पंजाब नेट रन रेट के मामले में कोलकाता से पिछड़ी है। अगर सभी टीमें 12 अंकों पर रही तो पंजाब पांचवें स्थान पर रहेगी और कोलकाता बेहतर नेट रन रेट के साथ शीर्ष-4 के लिए क्वालीफाई कर लेगी।

पंजाब को अपने फाइनल ग्रुप मुकाबले में चेन्नई के खिलाफ बड़ी जीत हासिल करनी होगी या वह यह उम्मीद करे कि राजस्थान कोलकाता को बड़े अंतर से हराए।

हालांकि, पंजाब के लिए स्थिति आसान नहीं है और उसके प्लेऑफ में पहुंचने के लिए काफी अड़चने हैं। लेकिन उसके लिए अभी भी संभावनाएं बची हुई हैं।

आईपीएल में खराब अंपायरिंग को लेकर सुनील गावस्कर ने की आलोचना

दुबई। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग में अंपायरिंग के खराब स्तर की आलोचना की है। गावस्कर की यह टिप्पणी सोमवार को दिल्ली कैपिटल्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच खेले गए मैच के दौरान अंपायर अनिल चौधरी द्वारा नो बॉल का फैसला बदल कर उसे वाइड करार दिये जाने के बाद आयी है। ड्वेन ब्रावो की यह गेंद पिच के बाहर टप्पा खायी थी। गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स पर कमेंट्री के दौरान कहा, '' वह स्पष्ट रूप से नो बॉल थी। हमने टीवी अंपायरों के भी कुछ ऐसे (खराब)फैसले देखे हैं, जो इन परिस्थितियों में जीत और हार के बीच अंतर कर सकते हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए।'' आईपीएल में अंपायरिंग के फैसले पहले भी कई बार सवालों के घेरे में आ चुके हैं और इस सत्र में भी कुछ विवादित फैसले लिए गए हैं।

अश्विन ने की शिमरोन हेटमायर की प्रशंसा, कहा- उनके प्रयासों को ड्रेसिंग रूम में सराहा जाता है

दुबई। दिल्ली कैपिटल्स के सीनियर ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने शिमरोन हेटमायर की प्रशंसा करते हुए कहा कि वेस्टइंडीज के इस आक्रामक बल्लेबाज ने इस साल टीम के लिये अच्छा प्रदर्शन किया है और ड्रेसिंग रूम में उनके प्रयासों को सराहा जाता है। हेटमायर के 18 गेंदों पर नाबाद 28 रन की मदद से दिल्ली कैपिटल्स ने मंगलवार को चेन्नई सुपर किंग्स को तीन विकेट से हराया। अश्विन ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''मुझे लगता है कि छह से आठ अंक दिलाने का श्रेय हेटी (हेटमायर) को जाता है क्योंकि वह टीम को आखिर में जीत दिलाता है। कई बार जब आप ये 25 और 30 रन बनाते हो, आपको वह श्रेय नहीं दिया जाता जिसके आप हकदार होते हो क्योंकि जो बल्लेबाज शीर्ष क्रम में खेल रहे होते हैं वे अधिक रन बनाते हैं। '' उन्होंने कहा, ''इसलिए हेटमायर हमारे लिये ऐसा ही नायक है और ड्रेसिंग रूम में हम सभी उनके प्रयासों की सराहना करते हैं। '' अश्विन ने कहा कि इंग्लैंड से यूएई आने के बाद से ही वह अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''मैं अच्छी बल्लेबाजी कर रहा हूं और पिछले मैच में जो कुछ हुआ उससे सीख मिली। मैंने गेंद खेलने में देरी की। शायद मैं उसके लिये तैयार नहीं था। मैं बेहतर कर सकता है। मुझे इससे सीख लेकर आगे बढ़ना होगा।'' अश्विन ने अब तक इस सत्र में 10 मैचों में पांच विकेट लिये हैं और उन्होंने कहा कि वह जिस तरह से गेंदबाजी कर रहे हैं उससे संतुष्ट हैं। उन्होंने कहा, ''आपको 24 गेंदें करनी होती हैं। टी20 मैच में जरूरी नहीं है कि आप विकेट लेने के लिये गेंदबाजी करो। आपको परिस्थिति के अनुसार गेंदबाजी करनी होती है। मेरा काम अपनी क्षमता का सर्वश्रेष्ठ उपयोग करके 24 गेंदें डालनी हैं और विकेट लेने के लिये अवसर पैदा करने हैं।

सीएसके के ऑलराउंडर सैम करन चोटिल होकर हुए टी-20 विश्वकप से बाहर, इंग्लैंड ने भाई टॉम को किया शामिल

लंदन (एजेंसी)।

ऑलराउंडर सैम करन चेन्नई सुपरकिंग्स की ओर से इंडियन प्रीमियर लीग में खेलते हुए कमर में चोट के कारण आईसीसी टी20 विश्व कप से बाहर हो गए हैं। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

ईसीबी ने कहा, ''शनिवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ चेन्नई सुपरकिंग्स के इंडियन प्रीमियर लीग मैच के बाद करन ने कमर में दर्द की शिकायत दी। स्कैन के नतीजे में चोट का खुलासा हुआ है।'' करन अगले कुछ दिन में ब्रिटेन के लिए रवाना होंगे और उनके वहां और स्कैन किए जाएंगे। इसीबी की मेडिकल टीम इसके बाद उनकी चोट की समीक्षा करेगी। करन के भाई टॉम को विश्व कप के लिए इंग्लैंड की टीम में शामिल किया गया है। इसके अलावा सूरे के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज रीस टोप्ले को भी रिजर्व खिलाड़ियों में जगह दी गई है।

तेइस साल के करन का आईपीएल में प्रदर्शन निराशाजनक रहा और वह नौ मैचों में सिर्फ 56 रन बना सके। उन्होंने नौ विकेट चटकाए लेकिन 9.93 रन प्रति ओवर की दर से रन दिए। करन ने सुपरकिंग्स ने कहा, ''दुर्भाग्य से मुझे यह दिल तोड़ने वाली खबर मिली कि मैं आईपीएल के बाकी सत्र और विश्व कप में नहीं खेल पाऊंगा। बेहद निराश हूं.... इस सत्र में चेन्नई के साथ खेलने का लुत्फ उठाया।'' उन्होंने कहा, ''अब तक इस खबर से नहीं उबर पाया हूं लेकिन शानदार स्थिति में टीम का साथ छोड़ रहा हूं। खिलाड़ी काफी अच्छा क्रिकेट खेल रहे हैं। अगले कुछ दिनों में जहां भी रहूंगा वहां से उनका समर्थन करूंगा। मुझे यकीन है कि वे खिताब जीतेंगे।'' उन्होंने कहा, ''चेन्नई सुपरकिंग्स के सभी प्रशंसकों को धन्यवाद कहना चाहता हूं। पिछले दो सत्र में मैंने आपके समर्थन का लुत्फ उठाया। जल्दी ही आपके सामने दोबारा दौड़ता, गेंदबाजी और बल्लेबाजी करती हुआ दिखूंगा। ''

करन ने कहा, ''मैं मजबूत बनकर वापसी करूंगा, तब तक सुरक्षित रहिए।'' करन ने अब तक 24 टेस्ट, 11 वनडे और 16 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं। वह आईपीएल से पहले भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में इंग्लैंड की टीम का हिस्सा थे। इंग्लैंड के खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ मंगलवार को मस्कट पहुंचा जहां वे टी20 विश्व कप की तैयारी करेंगे। वे 16 अक्टूबर तक ओमान में रहेंगे और टूर्नामेंट की शुरुआत के लिए दुबई जाएंगे।

इंग्लैंड की टी-20 विश्व कप टीम : इयोन मोर्गन (कप्तान), मोईन अली, जॉनी बेयरस्टो, सैम बिलिंग्स, जोस बटलर, टॉम करेन, क्रिस जॉर्डन, लियाम लिविंगस्टोन, डेविड मलान, टाइमल मिल्स, आदिल राशिद, जेसन रॉय, डेविड विली, क्रिस वोक्स, मार्क वुड।

रिजर्व खिलाड़ीः लियाम डॉसन, रीस टोपली, जेम्स विंस।

भारतीय खिलाड़ियों के योगदान नहीं देने से मुंबई कठिन स्थिति में : बुचर

लंदन (एजेंसी)।

इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर मार्क बुचर का मानना है कि भारतीय खिलाड़ियों के निराशाजनक प्रदर्शन से गत चैंपियन मुंबई इंडियंस का इस सीजन प्रदर्शन खराब रहा।

मुंबई की बल्लेबाजी इस सीजन उम्मीद के अनुरुप नहीं रही जिसके कारण उसका प्रदर्शन निराशाजनक रहा। कप्तान रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, ईशान किशन, हार्दिक पांड्या और क्रणाल पांड्या बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम रहे।

बुचर ने क्रिकेट डॉट कॉम के शो में कहा, अगर सबकी निगाहें शीर्ष पर क्विंटन डी कॉक की ओर हैं और सभी की निगाहें पावरप्ले में विकेट लेने वाले के रूप में ट्रेंट बोल्ट की तरफ हैं, तो आपको कोई समस्या नहीं है। मुंबई इंडियंस की सफलता इस तथ्य के इर्द-गिर्द बनी है कि उन्होंने टूर्नामेंट जीतने के लिए विदेशी खिलाड़ियों की ओर नहीं देखा है। उनके पास शानदार विदेशी खिलाड़ी हैं, लेकिन भारतीय खिलाड़ियों ने अपना काम किया है।

उन्होंने कहा, रोहित ने वैसा स्कोर नहीं बनाया है जिसकी आप उनसे अपेक्षा करते हैं। हां, वह एक शानदार कप्तान हैं। वह शायद निकट भविष्य में भारत के टी20 कप्तान बन जाएंगे। लेकिन उन्हें रनों की जरूरत है। भारतीय खिलाड़ियों का योगदान उतना ही महत्वपूर्ण है, वास्तव में, जब आईपीएल जीतने और क्वालीफाई करने की बात आती है तो किसी और चीज से ज्यादा यह महत्वपूर्ण है।

पाकिस्तान छोड़ेंगे उमर अकमल, इस टीम के लिए टी-20 लीग में खेलते आएंगे नजर

करावी। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के विवादास्पद क्रिकेटर उमर अकमल ने अमेरिका में लीग क्रिकेट खेलने के लिये देश छोड़ दिया है। अकमल पर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की भ्रष्टाचार निरोधक संहिता के तहत प्रतिबंध लगा था जो हाल में समाप्त हुआ। ईएसपीएनक्रिकइन्फो की रिपोर्ट के अनुसार इस 31 वर्षीय क्रिकेटर ने नार्दर्न क्रिकेट कैलिफोर्निया एसोसिएशन के साथ अल्पकालिक अनुबंध किया है लेकिन उन्होंने इसे भविष्य में आगे बढ़ाने का विकल्प खुला रखा जिससे उनके पाकिस्तान क्रिकेट के साथ रिश्ते समाप्त हो जाएंगे।

अकमल ने इस सत्र में पीसीबी क्रिकेट एसोसिएशन टी20 टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था जिसमें उन्होंने सेंट्रल पंजाब सेकंड इलेवन की तरफ से 0, 14, 7, 16 और 29 रन की पारियां खेली थी। इसके बाद ही उन्होंने कैलिफोर्निया जाने का फैसला किया। कायदे आजम ट्राफी 20 अक्टूबर से शुरू होगी और यह स्पष्ट नहीं है कि अकमल इस शीर्ष घरेलू टूर्नामेंट में खेलने के लिये वापसी करेगा या नहीं। वेबसाइट ने दावा किया है कि अकमल की वापसी का क्रिकेट समुदाय में स्वागत नहीं किया गया था और उन्हें नेशनल टी20 कप के लिये नहीं चुना गया था।

टी-20 विश्व कप से पहले पाक का पूर्व खिलाड़ी बोला, भारत नहीं कर सकता हमारा मुकाबला

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

टी20 विश्व कप शुरू होने वाला है। भारत को अपना पहला मुकाबला 24 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ खेलना है। इन सबके बीच पाकिस्तान के पूर्व ऑलराउंडर अब्दुल रज्जाक ने टीम इंडिया को लेकर ऐसी टिप्पणी की है जिससे भारतीय क्रिकेट प्रेमी नाराज हो सकते हैं। अब्दुल रज्जाक की यह प्रतिक्रिया काफी तीखी है। दरअसल, अब्दुल रज्जाक भारत और पाकिस्तान की टीमों के बीच द्विपक्षीय सीरीज नहीं कराने को लेकर बोल रहे थे। अब्दुल रज्जाक ने तो यह तक कह दिया कि टीम इंडिया द्विपक्षीय सीरीज पाकिस्तान के खिलाफ इसलिए नहीं खेलते क्योंकि वह एक औसत टीम है।

टीम इंडिया के बारे में बोलते हुए अब्दुल रज्जाक ने कहा कि पाकिस्तान के पास जिस तरह की प्रतिभा है वह अद्वितीय है। यह प्रतिभा भारतीय टीम में नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मैं नहीं समझता भारत पाकिस्तान का मुकाबला कर सकता है। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पास जिस तरह की प्रतिभा है, वह पूरी तरह से अलग है और यह क्रिकेट के लिए अच्छी बात है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच मैच नहीं हो रहे हैं। यह एक रोमांचक के मुकाबला हुआ करते थे जिसमें खिलाड़ियों के ऊपर यह देखने को मिलता था कि वह कितना दबाव झेल सकते हैं। अब यह गायब हो गया है।

इसी के साथ अब्दुल रज्जाक ने यह भी कहा कि अगर यह जारी रहता है तो लोगों को इह बात का एहसास हो जाएगा कि पाकिस्तान के पास जिस तरह की प्रतिभा है, वह भारत में नहीं है। अब्दुल रज्जाक के ऐसे बोल विश्व कप से पहले जाहिर सी बात है भारतीय टीम पर दबाव बनाने के लिए आए हैं। लेकिन अब तक तीनों क्रिकेट फॉर्मेट में भारतीय टीम आईसीसी रैंकिंग में पाकिस्तान से बहुत आगे है। आईसीसी वनडे विश्वकप में भारत एक बार भी पाकिस्तान से नहीं हारा है। पहले टी-20 विश्वकप का खिताब भी भारत पाकिस्तान को हराकर ही जीता था।

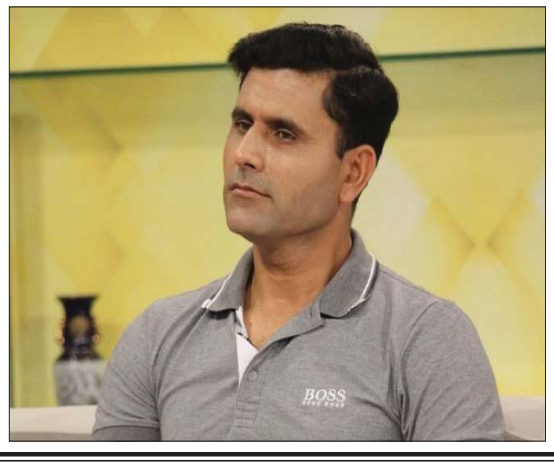

भारतीय शूटर्स का कमाल, ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने बनाया विश्व रिकॉर्ड; जीता गोल्ड मेडल

ओस्लो (नॉर्वे) (एजेंसी)।

लीमा। युवा भारतीय निशानेबाज ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप में पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन के फाइनल में विश्व रिकार्ड बनाकर स्वर्ण पदक जीता। तोमर ने सोमवार को क्वालीफिकेशन में 1185 का स्कोर बनाकर जूनियर विश्व रिकार्ड की बराबरी की थी। इस युवा खिलाड़ी ने इसके बाद फाइनल में 463.4 अंक बनाकर जूनियर विश्व रिकार्ड बनाया। वह फ्रांस के लुकास क्राइज्स से लगभग सात अंक आगे रहे जिन्होंने 456.5 अंक बनाकर रजत पदक हासिल किया। अमेरिका के गेविन बार्निक ने 446.6 अंक लेकर कांस्य पदक जीता। भारत के अन्य निशानेबाजों में संस्कार हवेलिया 1160 के स्कोर के साथ 11वें, पंकज मुखेजा 1157 के साथ 15वें, सरताज तिवाना 1157 के साथ 16वें और गुरमन सिंह 1153 के स्कोर के साथ 22वें स्थान पर रहे।

इससे पहले भारत की 14 वर्षीय निशानेबाज नाम्या कपूर ने हमवतन स्टार निशानेबाज मनु भाकर को पीछे छोड़कर महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता। कपूर ने फाइनल में 36 अंक बनाकर शीर्ष स्थान हासिल किया। वह फ्रांस की कैमिली जेद्राजेवस्की (33) और 19 वर्षीय ओलंपियन भाकर (31) से आगे रही। भाकर इस प्रतियोगिता में अब तक तीन स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं। भाकर को शूट ऑफ में फ्रांसीसी निशानेबाज से हारने के कारण कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। इस स्पर्धा में भाग ले रही एक अन्य भारतीय निशानेबाज रिदम सांगवान चौथे स्थान पर रही। कपूर क्वालीफिकेशन में 580 अंक के साथ छठे स्थान पर रही थी। इसमें भाकर (587) और सांगवान (586) ने शीर्ष दो स्थान हासिल किये थे। भारत आठ स्वर्ण, छह रजत और तीन कांस्य सहित कुल 17 पदक लेकर तालिका में शीर्ष पर चल रहा है। यह तोक्यो ओलंपिक के बाद पहली ऐसी प्रतियोगिता है जिसमें कई स्पर्धाएं शामिल हैं। चैंपियनशिप में 32 देशों के लगभग 370 निशानेबाज भाग ले रहे हैं।

कोविड-19 महामारी के कारण रद्द हुआ जापान क्लासिक, एलपीजीए का एशिया में होगा केवल एक टूर्नामेंट

डेटोना बीच (अमेरिका)। टोटो जापान क्लासिक कोविड-19 महामारी के कारण रद्द कर दिया गया है और इस तरह से अब एशिया में महिला गोल्फ टूर एलपीजीए का केवल एक टूर्नामेंट होगा। टोटो जापान क्लासिक का आयोजन चार से सात नवंबर के बीच होना था। इस तरह से एलपीजीए टूर में अब इस सत्र में केवल चार टूर्नामेंट बचे हैं। इनमें से पहला टूर्नामेंट इस सप्ताह न्यूजर्सी में होगा। एशिया में एकमात्र टूर्नामेंट दक्षिण कोरिया में 21 से 24 अक्टूबर के बीच आयोजित किया जाएगा। इसके बाद फ्लोरिडा में लगातार दो टूर्नामेंट के साथ सत्र का समापन होगा। इससे पहले एलपीजीए ने एशिया में शंघाई और ताइवान में होने वाले टूर्नामेंट महामारी के कारण रद्द कर दिये थे।

बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबला नहीं जीतने का अफसोस: स्टीमैक

माले। भारतीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच इगोर स्टीमैक ने बांग्लादेश के खिलाफ सैफ चैंपियनशिप का पहला मुकाबला ड्रॉ रहने के बाद मंगलवार को कहा कि उन्हें मैच नहीं जीत पाने का दुख है। कप्तान सुनील छेत्री ने भारत को बढ़त दिलाई थी लेकिन येआसिन अराफत ने गोल कर दूसरे हॉफ में बांग्लादेश को बराबरी दिलाई और मुकाबला 1-1 से ड्रॉ पर समाप्त हुआ। स्टीमैक ने कहा, हमारे नियंत्रण में सभी चीजें थी और मुकाबले में हमारा पलड़ा भारी था। लेकिन इन सबके बावजूद, कुछ अज्ञात कारणों से, हमने अनावश्यक गलतियां करते हुए, सरल पास देना शुरू कर दिया और अगर आप अपने प्रतिद्वंद्वी के आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं और उन्हें मौका देते हैं तो मैच आपके हाथ से निकल जाता है। भारत का अगला मुकाबला श्रीलंका के साथ सात अक्टूबर को होगा। स्टीमैक ने कहा, हमें कुछ स्थितियों में उचित नहीं होने और अपने अनुभव का उपयोग नहीं करने का खामियाजा भुगतना पड़ा। यह एक अनुभवी भारतीय टीम है। मुझे और अधिक की उम्मीद थी क्योंकि कई बार अनावश्यक घबराहट होती थी और यह समझाना कठिन है।

प्रो कबड्डी का आठवां सीजन 22 दिसंबर से होगा शुरु

मुंबई। प्रो कबड्डी का आठवां सीजन कोविड के चलते बिना दर्शकों के 22 दिसंबर से शुरु होगा। इवेंट के आयोजक मशाल स्पोर्ट्स ने मंगलवार को कहा है कि लीग को एक ही अस्थल पर खेला जाएगा। उन्होंने कहा कि, खिलाड़ियों के स्वास्थ सुरक्षा और साझेदारों को मद्देनजर में रखते हुए इवेंट को बैंगलोर में कराने का फैसला लिया गया है। प्रदेश के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा, कबड्डी हमारे देश का असली खेल है और यह कर्नाटक में काफी प्रसिद्द भी है। हम होने वाला आठवां सीजन का स्वागत करते है। इस इवेंट को सरकार के दिशा निर्देशों और बायो सिक्योर बबल के तहत आयोजित किया जाएगा।

गांधीनगर समेत निकाय चुनाव में भाजपा की 76 प्रतिशत सीटों पर जीत

अहमदाबाद। गुजरात की राजधानी गांधीनगर नगर निगम के अलावा 3 नगर पालिका समेत 128 सीटों पर सामान्य चुनाव और 100 सीटों पर उपचुनाव कराए गए थे। 3 अक्टूबर को वोटिंग के बाद आज सामने आए नतीजों में 228 सीटों में से 115 सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की है। यानी कुल सीटों में 75 प्रतिशत सीटों पर भाजपा का भगवा लहराया है। वहीं कांग्रेस को 44, आम आदमी पार्टी को 3 और अन्य खाते में 6 सीटें गई हैं। गांधीनगर नगर निगम के चुनाव में भाजपा ने 44 में से 41 सीटों पर दर्ज की है। वहीं कांग्रेस को 2 और आप को 1 सीट पर जीत मिली है। जामनगर जिले के भाणवड नगर पालिका में हुए मध्यावधि चुनाव में कांग्रेस को 25 साल बाद जीत मिली है। पिछले चुनाव में भाणवड में 24 सीटों में भाजपा को 16 और कांग्रेस को 8 सीटें मिली थीं। 3 अक्टूबर को हुए चुनाव में पासा पलट गया है और कांग्रेस को 16 और भाजपा को केवल 8 सीटें मिली हैं। बनासकांठा जिले की थरा नगर पालिका चुनाव में भाजपा की शानदार जीत हुई। थरा नगर पालिका की 24 सीटों में से भाजपा ने 20 पर और 4 सीटों पर कांग्रेस की जीत हुई है। देवभूमि द्वारका जिले की ओखा नगर पालिका पर भी भाजपा का भगवा लहराया है। ओखा नगर पालिका की 36 सीटों में से भाजपा ने 34 सीटों पर जीत दर्ज की है। जबकि कांग्रेस केवल 2 सीटों पर संतोष करना पड़ा। 3 अक्टूबर को जिला पंचायत की 8, तहसील पंचायत की 44, नगर निगम की 3 और नगर पालिका की 45 सीटों पर उप चुनाव कराया गया। जिला पंचायत की 8 में से 5 सीटों पर भाजपा और 3 सीटों पर कांग्रेस को जीत मिली है। तहसील पंचायत की 44 में 28 सीटों पर भाजपा, 13 सीटों पर कांग्रेस और 2 सीटों पर आम आदमी पार्टी के उम्मीदवारों की जीत हुई है। अहमदाबाद महानगर पालिका की 2 सीटों पर भाजपा और जूनागढ़ महानगर पालिका की 1 सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार ने जीत दर्ज की है। वहीं नगर पालिका की 45 सीटों में से भाजपा को 37, कांग्रेस को 3, असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम को 1 और अन्य के खाते में 4 सीटें गई हैं। कुल 228 सीटों में भाजपा ने 175, कांग्रेस ने 44, आप ने 3, एआईएमआईएम की 1 और निर्दलीय उम्मीदवारों को 4 सीटों पर जीत हासिल की है।

गरजने वाले मेघा बरसे नहीं : गुजरात भाजपा प्रमुख सीआर पाटील

अहमदाबाद। गुजरात में स्थानीय निकायों की 232 सीटों पर हुए सामान्य एवं उप चुनाव में भाजपा को बड़ी सफलता मिली है। 232 में से 175 से भी अधिक सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की है। वहीं कांग्रेस 44 और आप के खाते में केवल 1 सीट आई है। खासकर गांधीनगर नगर निगम चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक जीत हुई है। निकाय चुनाव में शानदार जीत से गदगद गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील ने आप तंज कसते हुए कहा कि गरजने वाले मेघा बरसे नहीं। चुनाव नतीजे आने के बाद मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील पार्टी मुख्यालय कमलम पहुंचे। जहां पत्रकार परिषद को संबोधित करते हुए सीआर पाटील ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान भाजपा कार्यकर्ता लगातार लोगों के बीच रहे और उनकी छोटी-मोटी तकलीफों का समाधान किया। जिसकी वजह से गांधीनगर समेत राज्य में भाजपा उम्मीदवारों की जीत हुई है। गांधीनगर निकाय के पिछले चुनाव में भाजपा के पास 17 और कांग्रेस के पास 15 सीटें थी। लेकिन आज भाजपा ने 44 में से 41 सीटों पर जीत दर्ज की है। कांग्रेस के खाते में केवल 2 सीट गई हैं। जबकि आप के एक उम्मीदवार को सफलता मिली है। पाटील ने आप तंज कसते हुए कहा कि जो लोग बहुत गरजे थे, वह बरसे नहीं। उन्हें केवल एक सीट से संतोष करना पड़ा है। गुजरात की जनता ने फिर एक बार ऐसे लोगों को नकार दिया है। नतीजों से पता चलता है कि गुजरात में कभी भी तीसरी पार्टी को सफलता नहीं मिल सकती। गुजरात की जनता को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर पूरा भरोसा है। इस मौके पर मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने कहा कि गांधीनगर निकाय चुनाव में तीन सीट कम आने पर हमारे भाजपा प्रमुख ने सवाल उठाए हैं। अब उन्होंने आगामी विधानसभा चुनाव में 182 सीटों के लक्ष्य के साथ तैयारियां शुरू कर दी हैं। भूपेन्द्र पटेल ने कहा कि गांधीनगर में मतदान से पूर्व रैली में मैंने कहा था कि भाजपा केवल चुनावी काम करने वाली पार्टी नहीं है, बल्कि हमेशा जनहित के कार्य करने वाली पार्टी है। मैं हमेशा एक कार्यकर्ता हूं और देश में भाजपा का शासन होगा तब कार्यकर्ता के हिस्से में काम नहीं होगा, ऐसा कभी संभव नहीं है। भाजपा के विजेता उम्मीदवारों को जीत के लिए बधाई देते हुए मुख्यमंत्री ने उन्हें लोगों की बीच रहकर उनके काम करने की हिदायत दी। निकाय चुनावों में शानदार जीत के बाद भाजपा मुख्यालय समेत विभिन्न शहरों में जश्न मनाया जा रहा है। वहीं करारी शिकस्त के बाद कांग्रेस और आप कार्यालय में सन्नाटा पसरा है।

मधुरम आर्केड में सुंदरकांड का भव्य आयोजन किया गया

उत्तर भारतीय ब्राह्मण समाज के प्रमुख राजाराम मिश्रा का स्वागत सम्मान किया गया

सूरत भूमि,सूरत । शहर के डिंडोली विस्तार में मधुरम सर्कल पर स्थित मधुर आर्केड में मधुर आर्केड के मालिक व आशुतोष रियल स्टेट तथा सॉफ्टेक आर. ओ. कंपनी के मालिक सुनील शुक्ला मुकेश पांडे द्वारा मधुर आर्केड में पित्रपक्ष के समय में भव्य सुंदरकांड का आयोजन किया गया। जिस आयोजन में खासतौर से उत्तर भारतीय ब्राह्मण समाज के प्रमुख राजाराम मिश्रा का स्वागत कार्यक्रम भी किया गया। जिसमें उत्तर भारतीय विकास परिषद के प्रमुख राजनाथ मिश्रा व संजय मिश्रा, काशी प्रसाद तिवारी, मनोज शुक्ला, प्रमोद तिवारी, रामलाल पांडे, शिव नाथ पांडे, अर्जुन पांडे, अरुण मिश्रा, महेंद्र तिवारी, गुलजारीलाल उपाध्याय, विजय पांडे, सुभाष पांडे, आनंद पाठक,राजकुमार सिंह, सखाराम पांडे,माताप्रसाद पांडे, रत्नेश पाठक, अजय दूबे, संतोष दुबे, जयप्रकाश तिवारी, विनोद तिवारी, विवेक चौबे, सचेन्द्रनाथ तिवारी, सूरेन्द्र अग्रहरी, कृष्णा पांडे, जैसे सैकड़ों ब्राह्मण समाज के लोग उपस्थित थे और ब्राह्मण समाज के प्रमुख राजाराम मिश्रा के स्वागत कार्यक्रम का संचालन शिव शंकर दुबे, ओंकार नाथ मिश्रा द्वारा किया गया।

जल प्रबंधन और साइबर सिक्योरिटी के क्षेत्र में गुजरात को मिले इजरायली विशेषज्ञता का लाभ: मुख्यमंत्री

गांधीनगर। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से मंगलवार को मुंबई स्थित इजरायली महावाणिज्य दूत कोबी शोशानी ने गांधीनगर में शिष्टाचार मुलाकात की। इजरायल के महावाणिज्य दूत ने भारत के साथ इजरायल के संबंधों की पृष्ठभूमि में कहा कि भारत की युवा पीढ़ी की विशेषज्ञता व उत्सुकता और इजरायल की तकनीक के विनियोग से सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, ड्रोन टेक्नोलॉजी, साइबर मामले, डिसेलिनेशन प्लांट और जल प्रबंधन के क्षेत्र में परस्पर सहयोग से हासिल की गई उत्कृष्टता की प्रशंसा की। कोबी शोशानी ने विशेषकर जल प्रबंधन और साइबर सिक्योरिटी के क्षेत्र में इजरायल के वर्ल्ड लीडर होने की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री से कहा कि सहयोग, समन्वय और पारस्परिक साझेदारी से इजरायल और गुजरात के संबंध आगे बढ़ सकते हैं। उन्होंने कोरोना के संकट काल में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की ओर से दुनिया के देशों को वैक्सीन पहुंचाने के मानवतावादी और बंधुत्व भाव से प्रेरित प्रयोग की सराहना की।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने उम्मीद जताई कि इजरायली महावाणिज्य दूत के गुजरात के इस पहले दौरे से द्विपक्षीय संबंधों को नई दिशा मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल के दौरान इजरायल-भारत के संबंध और भी सुदृढ़ बने हैं। जल प्रबंधन और साइबर सिक्योरिटी के क्षेत्र में इजरायल की विशेषज्ञता का लाभ गुजरात को मिले इसके लिए मुख्यमंत्री ने तत्परता भी दिखाई। भूपेंद्र पटेल ने आई-क्रिएट के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, वेजिटबल और खजूर के लिए रिसर्च एवं सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना में मिले इजरायल के सहयोग और डिसेलिनेशन प्लांट के इजरायली पैटर्न का लाभ गुजरात को मिलने पर आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इजरायल के महावाणिज्य दूत के साथ बातचीत में यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुनिया को यह दिखाया है कि 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' मंत्र से सभी को साथ लेकर विकास कैसे साधा जा सकता है। मुख्यमंत्री ने इजरायल के महावाणिज्य दूत से अनुरोध किया कि वे प्रधानमंत्री द्वारा आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना के साथ तैयार की गई सरदार पटेल की दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा-स्टैच्यू ऑफ यूनिटी को जरूर देखें। उन्होंने आगामी वाइब्रेंट समिट 2022 में इजरायल को भाग लेने का निमंत्रण देते हुए पहले की वाइब्रेंट समिट में इजरायल के प्रतिनिधिमंडलों की सहभागिता तथा पूर्व प्रधानमंत्री नेतन्याहू के गुजरात के सफल दौरे की याद ताजा की।

सूरत ब्रांच आईसीए आईडब्ल्यूआईआरसी द्वारा टीजीबी होटल में नेशनल कॉन्फरेन्स -2021 आयोजित

सूरत। सूरत ब्रांच ऑफ इन्स्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउन्टन्ट्स ऑफ इन्डिया ऑफ वेस्टर्न इन्डिया रीजनन काउंसिल द्वारा सूरत में दो दिवसीय भव्य नेशनल कॉन्फरन्स-2021 का आयोजन किया गया। जिसमें विशेषज्ञ वक्ताओं ने जीएसटी और इनकम टेक्स सहित चार्टर्ड अकाउंटेंट के व्यवसाय से जुड़े मामलों पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया।

सीसीएम जय छैरा ने कहा कि समग्र आयोजन अध्यक्ष नवीन जैन और उनकी टीम उपाध्यक्ष पूजा मुरारका, सेक्रेटरी राहुल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष अरुण नारंग, कमेटी सदस्य अश्विन बाउवाला, चयन अग्रवाल, जॉनी जैन, मिहिर ठक्कर और मनोज जैन द्वारा सफलता पूर्वक किया गया।

कॉन्फरन्स में विभिन्न सत्रों में विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा सटीक एवं उपयोगी मार्गदर्शन दिया गया। मुंबई के वक्ता टी. पी ओत्सवाल और सुशील लाखानी ने एन आर आई टेक्सेशन और क्रोस बॉर्डर ट्रांजेक्शन विषय पर जानकारी दी। उन्होंने अपने वक्तव्य में बताया कि विदेशी लेन-देन पर कितना टैक्स लगता है, कोरोना काल में क्या-क्या रियायतें दी गई हैं, विदेशियों में कोई संपत्ति है तो उसे रिटर्न में कैसे दिखाया जाए. जबकि सरकार के सलाहकार रहे गिरीश आहूजा और सुप्रीम कोर्ट के वकील सौरभ सोपरकर का सत्र भी अहम रहा। विशेष रूप से सौरभ सोपरकर ने पुराने अधिनियम 148 और संशोधित अधिनियम 148 (ए) के प्रावधानों पर प्रकाश डाला। कानून में संशोधन के क्या नुकसान और फायदे हैं। उन्होंने कहा कि धारा 148 (ए) के तहत अब तीन साल तक के मामलों को फिर से ओपन किया जा सकता है और जो अधिकार पहले जॉइन्ट कमिशनर के पास था वह अब चीफ कमिशनरजो इससे ऊपर के ऑथोरिटी को ही है।

सीए इंस्टीट्यूट के पूर्व अध्यक्ष अतुल कुमार गुप्ता ने जीएसटी पर इनपुट टैक्स क्रेडिट कब लेना है, कब नहीं लेना है, कब नहीं लेना है, इसकी गहन समझ दी। इनपुट क्रेडिट से संबंधित धारा 16, 17, 18 और रूल 41 और 42 पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया।

सेंट्रल काउंसिल के मेम्बर सीए जय छैरा ने सीए पेशे में भविष्य के अवसरों के बारे में जानकारी दी। सीए ने क्षेत्र में ही उपरोक्त प्रेक्टिस कैसे करें, अपील के लिए प्रेक्टिस कैसे करें, साथ ही क्लाइंट और खुद को लाभ पहुंचाकर स्मार्ट काम कैसे करें, जब आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का समय है की गहन समझ दी।

आकाश इंस्टिट्यूट की नैशनल स्कॉलरशिप, ANTHE 2021, कक्षा VII-XII के छात्रों को 100% तक की छात्रवृत्ति प्रदान करती है; माता-पिता में से कोई एक के साथ सभी ग्रेड में से 5 छात्रों को NASA की नि:शुल्क यात्रा मिलेगी

सूरत । आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल), परीक्षा तैयारी सेवाओं में अग्रणी, की प्रमुख वार्षिक छात्रवृत्ति परीक्षा, आकाश नेशनल टैलेंट हंट परीक्षा (ANTHE) 2021 बारहवां संस्करण, इच्छुक डॉक्टरों और इंजीनियरों के लिए इंस्टिट्यूट की सबसे अधिक मांग वाले हृश्वश्वङ्ग और IIT-JEE कोचिंग कार्यक्रमों के लिए कक्षा VII-XII के छात्रों को 100% तक की छात्रवृत्ति देगा। हृङ्ग।श्व 2021 देश के 24 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 4-12 दिसंबर, 2021 तक ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यम द्वारा आयोजित किया जाएगा। ट्यूशन फीस पर स्कॉलरशिप के अलावा टॉप स्कोर करने वालों को कैश अवॉर्ड भी दिया जाएगा।

ANTHE 2021 पर टिप्पणी करते हुए, आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) के मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री आकाश चौधरी ने कहा, "चूंकि यह डॉक्टर और आईआईटीयन बनने के सपनों को उनके लिए संभव बनता है, इसलिए ANTHE ने स्वाभाविक रूप से छात्रों से जबरदस्त प्रतिक्रिया हासिल की है, और वर्षों से उनके माता-पिता ने सराहा है। मेडिकल कॉलेज की सीट प्राप्त करने या IIT, NIT या किसी अन्य केंद्र सरकार द्वारा संचालित कॉलेजों के पोर्टल में प्रवेश करने में कोचिंग से एक छात्र को बहुत फर्क पड़ता है। जब से हमने 2010 में ANTHE की शुरुआत की, हमारा उद्देश्य देश में कहीं भी पहुंच से बाहर और योग्य छात्रों तक हमारे उच्च मूल्य के कोचिंग कार्यक्रमों तक पहुंचना रहा है। ANTHE हमें उन्हें हृश्वश्वङ्ग और IIT-JEE के लिए अपनी गति से तैयार करने का अवसर देता है, चाहे वे कहीं भी हों। हमें विश्वास है कि पिछले वर्षों की तरह, लाखों छात्र ANTHE 2021 का उपयोग करेंगे और एक उज्ज्वल भविष्य को सुरक्षित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाएंगे।"

इस वर्ष छात्रों के लिए एक नवीनता यह है कि सभी ग्रेड के 5 छात्रों को माता-पिता में से कोई एक के साथ हृङ्ग की नि:शुल्क यात्रा प्रदान की जाएगी। एक अतिरिक्त लाभ के रूप में, ANTHE उत्तीर्ण करने वाले छात्रों को मेरिटेनेशन स्कूल बूस्टर कोर्स भी मुफ्त मिलेगा। मेरिटेनेशन एईएसएल की सहायक कंपनी है। ANTHE ऑनलाइन एक घंटे की परीक्षा होगी जो सभी परीक्षा दिनों के दौरान सुबह 10:00 बजे से शाम 07:00 बजे के बीच आयोजित की जाएगी तथा ऑफलाइन परीक्षा 5 और 12 दिसंबर, 2021 को दो शिफ्ट में आयोजित की जाएगी-10:30 AM - 11:30 AM और 04:00 PM - 05:00 PM बजे तक। ऑफलाइन परीक्षा आकाश इंस्टीट्यूट के देश भर में सभी 215+ केंद्रों पर COVID-19 संबंधित राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों के दिशानिर्देशों का पालन करते हुए आयोजित किया जाएगा। छात्र अपने लिए सुविधाजनक एक घंटे का स्लॉट चुन सकते हैं।

सूरत में आयोजित होगी ज्वैलर्स और सेलिब्रिटी डिजाइनरों के लिए भव्य प्रदर्शनी

सूरत। सूरत को पूरे देश में कपड़ा और हीरा बाजार का प्रमुख केंद्र माना जाता है। सूरत के लोगों के लिए साल की शुरुआत में ज्वैलर्स और सेलेब्रिटी डिजाइनरों के लिए हाईवे क्लोजेट प्रदर्शनी का आयोजन होने जा रहा है। यह शानदार प्रदर्शनी और डिजाइनर शो 7 अक्टूबर, 2021 को सूरत के डुमस रोड स्थित होटल ले-मेरिडियन (टीजीबी) में आयोजित किया जाएगा। इस प्रदर्शनी में 50 से अधिक नामी डिजाइनर अपने बेनमून डिजाइन पेश करेंगे। इस भव्य प्रदर्शनी और शो के माध्यम से सूरत के लोगों को कुछ नया अनुभव होगा।

सूरत में ग्रैंड डिज़ाइनर्स प्रदर्शनी की शुरुआत करने वाली और शो के आयोजक सिम्मी साबू के मुताबिक, हमारा इवेंट शहर में आयोजित होने वाली अन्य प्रदर्शनियों से बहुत अलग है। इस प्रदर्शनी और डिजाइनर शो की खास बात यह है कि हम विशेष डिजाइनरों को ही चुनकर इस मंच पर लाते हैं। यह प्रदर्शनी केवल एक प्रदर्शनी नहीं है जिसमें जाने-माने सेलिब्रिटी डिजाइनरों को अपने अद्भुत डिजाइन जनता के सामने पेश करने का अवसर मिलेगा और यह खुदरा विक्रेताओं के साथ-साथ स्टोर मालिकों तक सीधे पहुंचने का एक मंच होगा। प्रदर्शनी ग्राहकों को एक ही स्थान पर विश्व प्रसिद्ध आभूषणों के साथ-साथ कपड़ों के ब्रांडों को देखने और खरीदने का मौका देगी।

सिम्मी साबू ने आगे कहा, "इस प्रदर्शनी के लिए सूरत शहर के युवाओं, महिलाओं और बच्चों सहित हर कोई हमारे लिए महत्वपूर्ण है और हम लोगों को कुछ नया देना चाहते हैं और इस प्रदर्शनी में हर कोई पसंद करता है।" प्रदर्शनी में शादी की खरीदारी, महिलाओं के गहने डिजाइनरों के साथ-साथ सौंदर्य डिजाइनरों के साथ-साथ महिलाओं, पुरुषों और बच्चों के कपड़ों के लिए विशेष डिजाइनर शामिल होंगे। इस सीज़न के सर्वश्रेष्ठ ड्रेप के लिए 20+ लेबल का एक अच्छी तरह से क्यूरेटेड संग्रह है, जिसमें सौंध, द ज्वैलरी पैलेस, शैलजा डिज़ाइनर डायमंड ज्वैलरी, मानसून, मयंक और श्रद्धा निगम, कावेरी, इशारा ज्वैलरी जैसे कई ज्वैलर्स और डिज़ाइनर शामिल हैं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)